News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-27
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

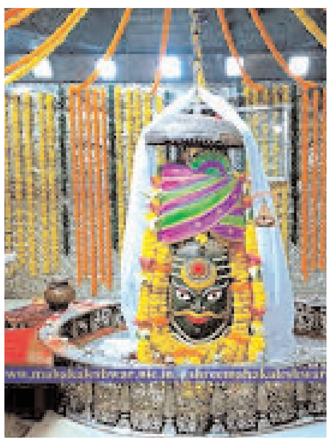

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार, 05 मई 2024

आज का विचार

गंभीर मत बनो
ईमानदार बनो.
— चेतन भगत

गॉगल बैग में छिपाकर ला रहा था सांप, मियामी एयरपोर्ट पर हुआ गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क: संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी में हवाई अड्डे के सुरक्षा अधिकारियों ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। इस शख्स ने अपनी पैंट के अंदर एक बैग छिपा रखा था, जिसमें सांप थे। सांपों को उसने गॉगल बैग में ऐसे रखा था कि लोगों को पता न चले। यह देखकर सुरक्षाकर्मियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अमेरिकी परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों ने 26 अप्रैल, 2024 को एक चेकपॉइंट पर एक यात्री के पैंट में सांपों से भरे बैग को ढूंढ निकाला। पोस्ट में कहा गया है- कअधिकारियों ने शुक्रवार 26 अप्रैल को एक चेकपॉइंट पर एक यात्री के पैंट में छिपे हुए सांपों के इस बैग का पता लगाया। सहायता के लिए हमारे और मियामी-डेड पुलिस भागीदारों को बुलाया और सांपों को फ्लोरिडा मछली और वन्यजीव संरक्षण को सौंप दिया गया। जानकारी के साथ टीएसए ने तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिसमें उस व्यक्ति द्वारा छिपाए गए बैग से दो छोटे सफेद सांप बरामद किए गए। टीएसए ने बताया कि सांपों को फ्लोरिडा मछली और वन्यजीव संरक्षण आयोग को सौंप दिया गया। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं है, जब कीसी ने हवाई जहाज से सांप ले जाने की कोशीश की हो। दीसंबर 2022 में एक महिला ने टाम्पा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बार्थोलोम्यू नामक बोआ कंस्ट्रिक्टर सांप ले जाने की कोशिश की थी।

पीएम मोदी आज अयोध्या में, भगवान रामलला के दर्शन के बाद करेंगे रोड शो

लखनऊ । लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से पहले रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या जाएंगे. अयोध्या में पहले वह भगवान रामलला के दर्शन करेंगे और फिर एक रोड शो करेंगे. इससे पहले उन्होंने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लोकार्पण के दौरान अयोध्या में रोड शो किया था. लोकसभा चुनाव 2024 के बीच पीएम पहली बार अयोध्या जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस वक्त जोरों-शोरों से लोकसभा चुनाव के प्रचार में लगे हुए हैं. हर रोज वह देश के अलग-अलग हिस्सों में रोड शो और चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे हैं. इसी कड़ी में वह रविवार यानी 5 मई को अयोध्या पहुंच रहे हैं. यूं तो वह अयोध्या चुनाव प्रचार के सिलसिले में ही जा रहे हैं लेकिन अपने कार्यक्रम से पहले वह राम मंदिर में भगवान रामलला के दर्शन करेंगे।

बीजेपी उम्मीदवार लल्लू सिंह के समर्थन में करेंगे रोड शो

अयोध्या पहुंचकर पीएम राम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और फिर फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी के उम्मीदवार लल्लू सिंह के समर्थन में रोड शो करेंगे. पीएम मोदी रविवार को दोपहर करीब 3 बजे इटावा पहुंचेंगे. यहां वह एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे. शाम करीब पांच बजे पीएम धौरहरा लोकसभा क्षेत्र के लिए रवाना होंगे जहां उन्हें एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करना है।

7 बजे करेंगे भगवान रामलला की पूजा

इसके बाद पीएम मोदी अयोध्या पहुंचेंगे और शाम करीब 7 बजे राम मंदिर में भगवान रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे. अयोध्या में प्रधानमंत्री करीब 2 किमी लंबा एक रोड शो भी करेंगे. अयोध्या में पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा. शनिवार को पीएम ने झारखंड में कहा कि 500 साल से हमारी कितनी बेटियां संघर्ष करती रहीं, लाखों लोग शहीद होते रहे, लंबा संघर्ष चला, शायद दुनिया में इतना लंबा संघर्ष कहीं नहीं हुआ होगा, जो अयोध्या में हुआ. आपके वोट की ताकत से आज राम मंदिर बन गया।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम ने किया था कठिन अनुष्ठान

22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी. प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 दिनों का कठिन अनुष्ठान किया था. इस दौरान उन्होंने यम नियमों का पालन किया था. उन्होंने सिर्फ नारियल पानी का सेवन किया और जमीन पर ही शयन किया. इस दौरान उन्होंने 40 नियमों का पालन किया था।

अयोध्या से कौन-कौन मैदान में?

फैजाबाद में पांचवें चरण में वोटिंग होगी. यहां 20 मई को वोट डाले जाएंगे. पांचवें चरण में मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, कैसरगंज और गोंडा में भी वोटिंग होगी। अयोध्या (फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र) से बसपा ने ब्राह्मण चेहरे को उम्मीदवार बनाया है. मायावती ने अंबेडकरनगर के बीजेपी के जिलाध्यक्ष रहे सच्चिदानंद पांडेय 'सचिन' को बसपा में शामिल कराने कर बाद अयोध्या से टिकट दिया है. उधर, इस सीट पर बीजेपी ने लल्लू सिंह और समाजवादी पार्टी-कांग्रेस अलायंस ने अवधेश प्रसाद पर भरोसा जताया है।

पेटीएम की मूल कंपनी के अध्यक्ष भावेश गुप्ता ने दिया इस्तीफा, कहा- निजी कारणों से छोड़ा पद

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष और सीओओ भावेश गुप्ता ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। शनिवार को जारी किए गए आधिकारिक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। बता दें कि भावेश गुप्ता कंपनी में ऑनलाइन और ऑफलाइन भुगतान और ऋण व्यवसाय समेत अन्य कार्यों का संचालन कर रहे थे। बयान में कहा गया है कि गुप्ता ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दिया है। वह 31 मई को कंपनी की सेवाओं से मुक्त हो जाएंगे। हालांकि, वह इस साल के आखिर तक कंपनी के साथ सलाहकार की भूमिका में बने रहेंगे। भावेश गुप्ता पेटीएम के साथ अगस्त 2020 में जुड़े थे। **वन97 कम्युनिकेशंस का बयान** वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड का कहना है कि कंपनी अपनी नेतृत्व टीम का विस्तार कर रही है। कंपनी ने पेटीएम के सीईओ और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ सीधे काम करने के लिए अपनी नेतृत्व टीम का विस्तार किया है। कंपनी ने कहा है कि पेटीएम के भुगतान और क्रेडिट व्यवसायों का नेतृत्व जिन अधिकारियों द्वारा किया जाता है, उनमें से हर किसी के पास पेटीएम में पांच साल से अधिक का अनुभव है। यह अनुभवी नेतृत्व टीम अब सीधे पेटीएम के सीईओ के साथ काम करेगी। आगे कहा गया है कि कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों से करियर से ब्रेक लेने का फैसला किया है। हालांकि, वह एक सलाहकार की भूमिका में बने रहेंगे। **टीम में हुए हैं ये बदलाव** हाल ही में राकेश सिंह को पेटीएम मनी लिमिटेड (पीएमएल) के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। इससे पहले राकेश सिंह फिस्डोम में स्टॉक ब्रोकिंग व्यवसाय के सीईओ थे। वह आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में प्रमुख प्रबंधन पदों पर रहे हैं। इसके अलावा कंपनी ने बताया कि पेटीएम मनी लिमिटेड के पूर्व प्रमुख वरुण श्रीधर अब पीएसपीएल में सीईओ के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा का कहना है कि भुगतान और उधार पर कंपनी का फोकस पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत

सवाई माधोपुर. दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आज फिर खौफनाक हादसा हो गया. यहां सवाई माधोपुर जिले के बौंली थाना इलाके में रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेशजी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी. इससे कार में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने वहां के हालात देखे तो वह सन्न रह गई. पुलिस ने शवों को स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है. पुलिस के अनुसार हादसा रविवार को सुबह करीब सात बजे हुआ. उस समय एक परिवार को लोग कार में सवार होकर रणथम्भौर स्थित त्रिनेत्र गणेशजी के दर्शन करने जा रहे थे. उसी दौरान बौंली थाना इलाके में बनास पुलिया के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी कार को टक्कर मार दी. इससे कार में सवार छह लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. इस हादसे में कार में सवार इस परिवार के दो बालक भी गंभीर रूप से घायल हो गए.

हादसे के शिकार हुए लोग सीकर जिले के बताए जा रहे हैं

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर दौड़ी. लेकिन वहां के हालात देखकर एकबारगी पुलिस वाले भी कांप गए. बाद में घायलों और मृतकों को तत्काल एम्बुलेंस से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया. वहां डॉक्टर्स ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया. घायलों का उपचार शुरू कर दिया गया है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे के शिकार हुए लोग सीकर जिले के बताए जा रहे हैं.

हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है

पुलिस ने हादसे के शिकार हुए मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया है. वह घायलों की शिनाख्त करवाने में जुटी है. हादसे की सूचना पर आलाधिकारी भी मौके पर और अस्पताल पहुंचे हैं. फिलहाल हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है. कार को किस वाहन ने टक्कर मारी इसका भी अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है. इस हाईवे पर इस तरह का यह कोई पहला हादसा नहीं है. बल्कि हाईवे शुरू होने के बाद इस पर कई बड़े हादसे हो चुके हैं.

आतंकी हमले में एक जवान शहीद सेना ने तेज किया तलाशी अभियान

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया जिसमें एक जवान शहीद हो गया जबकि चार अन्य सैनिक घायल हो गए. घायलों में एक सैनिक की हालत गंभीर बताई जा रही है. इस बीच सेना ने आतंकियों के खिलाफ अपना तलाशी अभियान तेज कर दिया है और आर्मी के अतिरिक्त जवान पुंछ में जर्रा वाली गली पहुंच गए हैं। इस हमले की एक तस्वीर सामने आई है जिसमें दिख रहा है कि आतंकियों ने किस कदर सेना के वाहनों पर अंधाधुंध गोलिया बरसाईं. सेना के काफिले में शामिल एक ट्रक के विंडस्क्रीन पर दो दर्जन से अधिक गोलियों के निशान नजर आ रहे हैं. अधिकारियों के मुताबिक, एके असॉल्ट राइफलों से लैस आतंकवादी पास के जंगलों में भाग गए हैं। स्थानीय राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट ने इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया है. आज भी यहां से गुजरने वाले हर वाहन की सुरक्षाबलों द्वारा तलाशी ली जा रही है. सेना के वाहन शाहसितार के पास जनरल क्षेत्र में स्थित एयर बेस के अंदर सुरक्षित पहुंच गए हैं.संदिग्ध लोगों की आवाजाही के बारे में गोपनीय जानकारी मिलने के बाद अर्धसैनिक बलों की सहायता से पुलिस शुक्रवार से पुंछ शहर में तलाशी ले रही थी, हालांकि इस तलाशी अभियान के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया था। आतंकी हमला शाम करीब सवा छह बजे हुआ जब जवान जारनवाली से वायुसेना के अड्डे पर लौट रहे थे. अधिकारियों को आतंकवादियों के उसी समूह की संलिप्तता का संदेह है, जिसने पिछले साल 21 दिसंबर को पास के बुफलियाज में सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया था जिसमें चार सैनिक शहीद हो गए थे और तीन अन्य घायल हो गए थे।

वायुसेना का बयान भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, काफिले को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है. आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में, वायुसैनिकों ने जवाबी गोलीबारी की. इस दौरान भारतीय वायुसेना के पांच कर्मियों को गोली लग गई और उन्हें तत्काल इलाज के लिए नजदीकी सैन्य अस्पताल ले जाया गया. एक वायु सैनिक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. स्थानीय सुरक्षा बलों द्वारा आगे की कार्रवाई जारी है।

टाटा स्टील के बिजनेस हेड की हत्या से मचा हड़कंप

गाजियाबाद यूपी के गाजियाबाद में सनसनीखेज घटना सामने आई है. यहां शालीमार गार्डन इलाके में टाटा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल बिजनेस हेड विनय त्यागी की हत्या कर दी गई. हत्या के बाद शव साहिबाबाद क्षेत्र के राजेंद्र नगर इलाके में नाले में फेंक दिया. सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर जांच शुरू की.जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात 40 वर्षीय विनय त्यागी घर के पास घायल अवस्था में पड़े मिले. उन्हें उनके परिवार के सदस्य अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. सहायक पुलिस आयुक्त सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि पुलिस को सुबह घटना की जानकारी मिली. त्यागी एक निजी फर्म में काम करते थे.शुक्रवार शाम विनय अपने ऑफिस से घर लौट रहे थे, उसी दौरान उन पर हमला किया गया. त्यागी ने अपनी मोबाइल लोकेशन अपनी पत्नी को भेजी थी और राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन से रिसीव करने को कहा था. जब पत्नी मेट्रो स्टेशन पहुंची तो त्यागी वहां नहीं मिले. कॉल किया तो कोई जवाब नहीं मिला. एसीपी ने बताया कि परिवार के लोगों का कहना है कि त्यागी का मोबाइल और लैपटॉप गायब है.

मृतक के परिजनों ने क्या बताया?

मृतक विनय के पिता बिशंबर सिंह त्यागी ने बताया कि विनय ने रात में फोन कर रिसीव करने को कहा था, लेकिन खुद ही दोबारा कुछ देर में कॉल करके घर पहुंचने की बात कही थी. जब देर तक घर नहीं लौटे और उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया तो तलाश शुरू की. देर तक पूरे इलाके में तलाश के बाद एक नाले में विनय लहूलुहान हालत में पड़े मिले. आनन फानन में अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना 112 पर कॉल कर दी. पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस घटना का सफल अनावरण किया जाएगा. मृतक का मोबाइल और पर्स भी गायब है. ऐसे में किसी लूट की घटना का अंदेशा भी जताया जा रहा है. घटना को लेकर पुलिस ने 3 टीमों का गठन किया है.

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में किया रोड शो

कहा- पूरे देश में चल रही है प्रधानमंत्री मोदी की लहर

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार देर शाम ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में ग्वालियर में आयोजित रोड शो में शामिल होने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लहर चल रही है। हर तरफ मोदीमय माहौल है। ग्वालियर की जनता का अपार स्नेह और प्यार पाकर मन गदगद हो गया है। जिस तरह से ग्वालियर के लोगों ने भाजपा को अपना आशीर्वाद, स्नेह दिया है उससे यह बात तय हो गयी है कि इस बार ग्वालियर में भाजपा नया इतिहास बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर की धरती जनसंघ के जमाने से ही प्यार, स्नेह देती रही है और आगे भी जनता का आशीर्वाद हमेशा मिलता रहेगा। भाजपा की डबल इंजन की सरकार किसी के भी विश्वास को कभी नहीं टूटने देगी और इसी तरह से विकास की गंगा लगातार बहती रहेगी। ग्वालियर की धरती वीरों, शूरवीरों की धरती है, जिस समय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर सबक सिखाया था तो वे सबक सिखाने वाले वीरों ने ग्वालियर से ही उड़ान भरी थी। मुख्यमंत्री समेत पार्टी नेताओं ने शनिवार शाम को ग्वालियर में रोड शो के माध्यम से जनता से आशीर्वाद मांगा तथा पार्टी प्रत्याशी को जिताने की अपील की। रोड शो के दौरान ग्वालियर की सड़कें फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार के नारों से गूंज उठी। रोड शो के दौरान रथ पर सवार पार्टी नेताओं का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, महाराष्ट्र के सह प्रभारी जयभान सिंह पवैया व वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने ग्वालियर में भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में रोड शो में शामिल होकर जनता का अभिवादन किया। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ रथ पर सवार होकर प्रदेश शासन के मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नारायण सिंह कुशवाह, संभाग प्रभारी विजय दुबे, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिला अध्यक्ष अभय चौधरी ने जनता का अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए ग्वालियर में उमड़ा जनसैलाब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार देर शाम ग्वालियर में भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में इंदरगंज से रोड शो प्रारंभ कर ताल बाजार, लोहिया बाजार, पाटनकर चौराहा, नया बाजार, महाराज बाड़ा, सराफा होते हुए राम मंदिर तक खुले रथ पर सवार होकर जनता का अभिवादन किया और पार्टी प्रत्याशी के लिए आशीर्वाद मांगा। रोड शो के दौरान यात्रा मार्ग की दोनों तरफ की सड़कें भगवामय हो गयीं। जनता ने सड़क के दोनों ओर खड़े होकर पुष्पवर्षा कर मोदी-मोदी के गगनभेदी नारों के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया। समाज के हर वर्ग के पुरुष, महिलाएं, युवा, बच्चे और बुजुर्ग मुख्यमंत्री और पार्टी नेताओं के स्वागत के लिए मौजूद रहे और जगह-जगह मंच से पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। रोड शो के दौरान आतिशबाजी कर बैंड, ढोल नगाडें एवं शंख बजाकर रोड शो का स्वागत किया।

बम के पाला बदल की राजनीति से भाजपा के वरिष्ठ नाखुश

बोले - लोगों में नाराजगी है

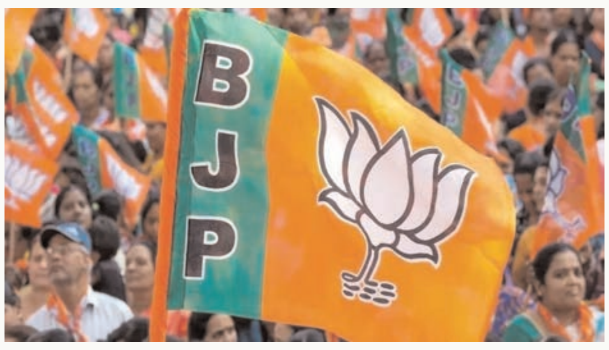

इंदौर। चुनावी बेला में कांग्रेस प्रत्याशी को अपने पाले में लाने का कदम भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को रास नहीं आ रहा है। नई दौर की राजनीति कर रहे नेता भले ही अक्षय बम

को खींच लाने को पार्टी की उपलब्धि बताते घूम रहे हैं लेकिन वरिष्ठ नेता इससे सहमत नहीं दिख रहे इंदौर से आठ बार सांसद रही पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने बयान देकर दलबदल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपने अंदाज में महाजन ने यह भी जता दिया कि वास्तव में जो भाजपा है उसमें ऐसा नहीं होता। सुमित्रा महाजन ने पूरे घटनाक्रम पर चर्चा करते हुए यह भी जता दिया कि इस तरह के घटनाक्रम की जानकारी खुद वरिष्ठ नेताओं को भी नहीं है। महाजन की बात से यह भी साफ हो गया कि या तो इंदौर में हुए घटनाक्रम की जानकारी संगठन को नहीं थी या फिर अचानक सब कुछ हुआ महाजन ने इस मामले पर चर्चा करते हुए कहा कि क्यों किया और क्या किया इसकी जानकारी तो नहीं है लेकिन कई भले-भले लोगों के मुझे फोन आ रहे हैं। वे बोल रहे हैं कि भाजपा की ये बात हमें पसंद नहीं आई। जो वास्तव में भाजपा है। मुझे उन्हें समझाना पड़ रहा है। क्योंकि लोग बोल रहे हैं कि हम भाजपा को वोट नहीं देंगे। हम नोटा करेंगे। पूर्व सांसद के इस बयान से भाजपा की चुनावी रणनीति पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। दरअसल घटना के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया था कि भाजपा के वरिष्ठ नेता भी इंदौर में हुए घटनाक्रम से खुश नहीं है। उल्लेखनीय है कि पटवारी इस पूरे मामले पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पर आरोप लगा रहे हैं।

बैठकें जारी रहे, बूथ नहीं छोड़े कार्यकर्ता इस बीच दलबदल के बाद भले ही भाजपा की जीत आसान मानी जा रही है लेकिन संगठन इसे लेकर गंभीर है। भाजपा की ओर से लोकसभा क्षेत्र में सभी पदाधिकारियों को चुनाव अभियान व प्रचार पूर्व की तरह जारी रखने का निर्देश दिया है। सभी पदाधिकारियों को यह भी कह दिया गया है कि मंडल और बूथ स्तर पर पूर्वनियोजित कार्यक्रम के अनुसार कार्यकर्ताओं की बैठक होती रहे। सभी को बूथ के अनुसार जिम्मेदारी सौंपी जाए। दरअसल संगठन सावधान है कि कहीं एक तरफा चुनाव मानकर कार्यकर्ता शिथिल न पड़ जाए। ऐसा हुआ तो असर चुनाव परिणामों पर नजर आ सकता है।

इंदौर में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास, महिला वॉकथॉन आयोजित

इंदौर। इंदौर में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही सामाजिक स्तर पर भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इसी के चलते रविवार को नेहरू स्टेडियम से 'चलो मम्मा वोट कर करे थीम पर' वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई और मतदान का संदेश दिया। महिलाओं के साथ बच्चियां भी वॉकथॉन में शामिल हुई। इस दौरान महिलाओं ने डांस भी किया।

विद्यार्थियों-शिक्षकों ने निकाली रैली

इधर, लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर शनिवार को वोटाथान-मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को वास्तुविद अचल चौधरी और मतदाता जागरूकता अभियान के महाविद्यालयीन प्रभारी नोडल अधिकारी डॉ. मनोहर दास सोमानी, डॉ. विवेक कुशवाह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली महू नाका स्थित महाराणा प्रताप प्रतिमा से बियाबानी, मालगंज चौराहा होते हुए राजमोहल्ला चौराहे पर खत्म हुई। भगत सिंह प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद रैली में हिस्सा लेने वाले लोगों ने मतदान को लेकर शपथ ली। साथ ही लोगों ने अपनी कालोनी व मोहल्ले में रहने वाले मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। रैली में 400 से ज्यादा विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। साथ ही एनसीसी कैडेट्स भी शामिल हुए।

मोरो को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए वन विभाग के पास बजट नहीं

इंदौर। गर्मी का आधा मौसम बीतने के बाद वन विभाग को राष्ट्रीय पक्षी मोर की चिंता हुई है। इन दिनों तापमान 38 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है। ऐसे में पशु-पक्षियों में पानी और नमक की कमी होने लगती है। मगर मोरो को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए वन विभाग के पास पैसा नहीं है। यही वजह है कि इस साल मुख्यालय से इंदौर वनमंडल को अभी तक बजट नहीं आवंटित हुआ है। अप्रैल बीतने के बावजूद पर्यावरण शाखा ने भी मोरो के दाना-पानी की व्यवस्था नहीं की है, लेकिन अब इंदौर वनमंडल के डीएफओ ने अन्य मद से राशि खर्च करने का फैसला लिया है। इस संबंध में मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन भी लिया है। इस दौरान प्रत्येक रेंज को मोरों संरक्षण के लिए क्लस्टर को चिन्हित करने पर जोर दिया है। 2020 में विभाग ने उन क्षेत्रों को क्लस्टर में शामिल किया है, जहां मोरों की संख्या पांच से अधिक है। एक क्लस्टर में चार गांव रखे है। इंदौर, महू, मानपुर और चोरल के लगभग 80 गांव क्लस्टर से जोड़े है। अधिकारियों के मुताबिक इंदौर जिले में 10 हजार से अधिक मोर हैं। इनके संरक्षण की जिम्मेदारी ग्रामीण और वन समितियों की मदद लेंगे। वनकर्मियों को निगरानी के निर्देश दिए है।

यहां नजर आते है मोर शहर में मालवा मिल, कैट परिसर, मेघदूत गार्डन, रेसीडेंसी, सुदामा नगर और पंचकुइया क्लस्टर बनाए गए हैं। एयरपोर्ट के आसपास और रेसीडेंसी एरिया को वन विभाग ने दो क्लस्टरों में बांटा है।

वन समिति से लेंगे मदद मोरों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी पर्यावरण शाखा के पास रहती है। बजट आवंटित नहीं हुआ है। अन्य मद से राशि की व्यवस्था कर मोरों के लिए दाना-पानी उपलब्ध करवाएंगे। वैसे प्रत्येक रेंज की वन समिति से भी मदद लेंगे। - महेंद्र सिंह सोलंकी, डीएफओ, इंदौर वनमंडल

इंदौर में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को उनके बर्थडे पर मिलेगी छुट्टी

इंदौर। इंदौर में अब यातायात पुलिसकर्मियों को उनके जन्मदिन पर एक दिन का अवकाश मिलेगा। डीसीपी यातायात ने शनिवार को इसकी घोषण की। रविवार को दो पुलिसकर्मियों के जन्मदिन पड़ने पर डीसीपी ने स्वयं उन्हें काल करके जानकारी दी। पहले दिन यानी रविवार के लिए एक महिला आरक्षक प्रवेश यादव और एएसआइ अशोक बुंदेला को छुट्टी दी गई है।

नाबालिग के साथ दुष्कृत्य करने वाले मामा को हुआ तिहरा आजीवन कारावास

इंदौर। अपर सत्र न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कृत्य करने वाले युवक को तिहरे आजीवन कारावास से दंडित किया है। 2021 में दर्ज प्रकरण पर निर्णय सुनाते हुए अपर सत्र न्यायालय व विशेष न्यायालय पोक्सो एक्ट ने आरोपित राहुल मुजाल्दे (22) को दोषी माना। आरोपित को पॉक्सो एक्ट की धारा 5 एल/6, 5 एम/6, 5 एन/6 तीनों में दोषी मानते हुए पृथक - पृथक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ में धारा 506 व भादंवि में एक वर्ष के सश्रम कारावास से भी दंडित किया है। आरोपित पर कुल 6500 रुपये का अर्थदण्ड भी लगाया है। शासन को निर्देश दिए हैं कि पीड़ित बालिका को दो लाख रुपये की राशि प्रतिकर के तहत दिलाई जाए। आरोपित बालिका ने अप्रैल 2021 में भंवरकुआं थाने में शिकायत की थी कि रिश्ते में उसका मामा लगने वाला आरोपित उसके घर आता-जाता रहता है। सब्जी मंडी में हम्माली करने वाला आरोपित दस वर्ष की तभी से उसे धमका कर उसके साध दुष्कृत्य कर रहा था। लगातार तीन वर्षों तक उसके साथ दुष्कृत्य करता रहा व जान से मारने की धमकी देता रहा। डर के मारे नाबालिग बार-बार अपने घर से भाग जाती थी। उसके घर से भागने से परेशान होकर उसकी मां ने उसे बाल आश्रम में रखवा दिया। बाल आश्रम की मैडम ने उसकी काउंसलिंग की तो उसने पूरी घटना बताई। बाद में बालिका की रिपोर्ट पर आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई।

कथा स्थल पर हुई धक्का - मुक्की, महिला के गले से चोरी हुआ सोने का हार

इंदौर। कनकेश्वरी मैदान में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने गई महिला के गले से सोने का हार चोरी हो गया।महिलाओं ने ही चोरी की है।भीड़ का फायदा उठाकर धक्का मुक्की की और हाथ की सफाई दिखा दी।हीरानगर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज है। कथा स्थल पर चौथी घटना हुई है। फरियादी लता जीवनसिंह मौर्य निवासी भाग्यश्री कॉलोनी के मुताबिक घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। कथा सुनने के लिए कनकेश्वरी मैदान पर आई थी। चोरी करने वाली महिलाओं ने घेरा बना लिया। धक्का मुक्की की और गले से हार चुरा लिया। महिलाओं के जाने पर शक हुआ तो हार गायब मिला।

बाईपास पर दोस्त का इंतजार कर रहे युवक से मोबाइल - कैश और अंगूठी लूट ले गए बदमाशलसूड़िया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को लूट हो गई। बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक युवक को लूट लिया। दोस्त इंतजार कर रहे युवक को चाकू दिखाया और तीन मोबाइल,कैश,अंगूठी,घड़ी लूट कर फरार हो गए।पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपितों के सीसीटीवी फुटेज निकाले जा रहे है।

लसूड़िया पुलिस के मुताबिक घटना बाईपास स्थित मिडास कैफे के पास(सर्विस लेन) की है। विस्तारा एमरल्ड टाउनशिप में रहने वाले विकास प्रमोद झा दोस्त मीतल गुप्ता का इंतजार कर रहे थे।तभी बाइक पर तीन बदमाश आए।दो बदमाश समीप आए और चाकू अड़ा दिया।

आरोपितों ने जान से खत्म करने की धमकी दी और तीन मोबाइल फोन, 8 हजार रुपए कैश, स्मार्ट वाच, सोने की अंगूठी लूट कर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक आरोपितों की तलाश की जा रही है। बदमाश सुनसान जगहों पर इसी तरह वारदात करते है। टीमों को सीसीटीवी फुटेज निकालने के लिए लगाया है।

आगे कुछ हो जाए तो बोलना मत - बोलकर महिला से आभूषण ले गए बदमाश

शहर में अचानक ठगी की वारदात बढ़ने लगी है। अन्नपूर्णा के बाद अब राऊ इलाके में घटना हुई है। दो बदमाश एक महिला से सोने के आभूषण लूट कर फरार हो गए है। पुलिस के मुताबिक उज्जवलता पाटीदार निवासी साईं शक्तिनगर के साथ एबी रोड़ पर हुई है। महिला मॉर्निंग वाक पर गई थी।

इसी दौरान दो बदमाश मिलें और कहा कि सोने के टाप्स,चेन उतार कर रख लो। आगे कुछ हो जाए तो हमको मत बोलना। आरोपपितों ने महिला को भयभीत किया और टाप्स व चेन निकाल ली।महिला को खाली थैली थमा दी और हाथ की सफाई दिखाते हुए आभूषण स्वयं के पास रख लिए।महिला से कहा कि सीधे चली जाना।

परिवहन विभाग के पोर्टल की धीमी गति से अटके आवेदन, आवेदक हो रहे परेशान

इंदौर। आमजन की सुविधा के लिए परिवहन विभाग ने अपनी सभी सेवाओं के आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, लेकिन यह सुविधा लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। विभाग का पोर्टल दिन में कई बार ठप हो जाता है, इस वजह से आवेदकों को परेशान होना पड़ रहा है। विगत पांच दिन से भी परिवहन विभाग का पोर्टल अटक रहा है। सबसे अधिक सारथी पोर्टल परेशानी दे रहा है। इस वजह से लाइसेंस के काम प्रभावित हो रहे है।नायता मुंडला स्थित परिवहन कार्यालय में कामकाज छोड़कर लाइसेंस और अन्य काम से आने वाले आवेदकों को परेशान होना पड़ रहा है। विगत पांच दिन से सारथी पोर्टल ठप है और वाहन पोर्टल भी धीमा चल रहा है।इससे लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन जैसे काम नहीं हो पा रहे।शुक्रवार को ऑनलाइन रसीदे नहीं कट सही, इस वजह से आवेदन नहीं हो सके। सूत्रों का कहना है कि फरवरी माह से सर्वर लगातार परेशान कर रहा है। इसके कारण आवेदन लंबित हो रहे है। विभाग के एनआईसी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि वाहन पोर्टल की समस्या की जानकारी नहीं है, लेकिन सार्थक पोर्टल की समस्या की जानकारी मिली है। इसको जल्द ही सुधारा जा रहा है।

इंदौर में बदमाशों के हौसले बुलंद, डॉक्टर के स्कूटर से 5 लाख का हार - बाजूबंद ले उड़े बदमाश

इंदौर। डॉक्टर के स्कूटर की डिक्की से 5 लाख रुपये का हार और बाजूबंद चोरी हो गया। जूलरी शोरूम से निकल कर डॉक्टर डेयरी पर दूध लेने रुके थे। शक है बदमाश शोरूम से ही पीछा करते हुए आए थे ।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज तो निकाले बदमाशों के चेहरे स्पष्ट नहीं हुए। एक अन्य घटना भी सामने आई है जो तुकोगंज थाने के सामने की है।

बदमाशों ने बाली और अंगूठी चुरा ली है

भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक घटना बीजे विहार कॉलोनी निवासी 66 वर्षीय डॉ.अगस्त्य कुमार चौधरी के साथ हुई है। चौधरी धार के शासकीय अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर रहे है। शुक्रवार को शाम तुकोगंज थाना के सामने स्थित डीपी ज्वेलर्स पर आभूषण रिपेयर करवाने आए थे।करीब आठ तोला वजनी हार और बाजूबंद रिपेयर करवाकर घर जा रहे थे। चितावद में स्कूटर रोक कर दूध लेने लगे तो बदमाश डिक्की उचका कर जूलरी का बॉक्स ले गए।डॉक्टर के मुताबिक उनका ध्यान स्कूटर की तरफ ही था। रुपयों के लिए मुंह मोड़ा और बदमाशों ने डिक्की तोड़ दी। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिल गए है। जानकारी मिली कि इसी तरह की एक अन्य घटना तुकोगंज थाना के सामने स्थित विशाल मेगा स्टोर के बाहर हुई है। स्कूटर सवार युवक डीपी ज्वेलर्स से बाली और अंगूठी लेकर कपड़े खरीदने रुके थे। इसी दौरान बदमाश ज्वेलरी लेकर फरार हो गए।

खुद को कांग्रेस का अधिकृत प्रत्याशि घोषित करने के लिए मोतीसिंह पटेल की याचिका हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने की खारिज

इंदौर। इंदौर में कांग्रेस को हाई कोर्ट से भी राहत नहीं मिली। पार्टी के नेता मोतीसिंह पटेल को इंदौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस का अधिकृत प्रत्याशी घोषित करने से हाई कोर्ट की युगलपीठ ने भी इनकार कर दिया। इसके पहले हाई कोर्ट की एकलपीठ ऐसा करने से इनकार कर चुकी है। पटेल का कहना था कि उन्होंने पार्टी के वैकल्पिक प्रत्याशी के रूप में नामांकन फार्म जमा किया था। पार्टी ने बी-फार्म में उनके नाम का उल्लेख भी किया था। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी द्वारा नामांकन फार्म वापस लेते ही उन्हें पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का अधिकार मिल गया है। निर्वाचन आयोग को आदेश दिया जाए कि उन्हें कांग्रेस का अधिकृत प्रत्याशी घोषित करते हुए चुनाव चिह्न आवंटित करे, लेकिन कोर्ट ने इससे इंकार कर दिया। गौरतलब है कि नामांकन फार्म वापस लेने के अंतिम दिन 29 अप्रैल को इंदौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अक्षय बम ने अपना नामांकन फार्म वापस ले लिया था। पार्टी के नेता मोतीसिंह पटेल ने भी कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में नामांकन फार्म जमा किया था, लेकिन उनका फार्म स्क्रूटनी के दौरान ही निरस्त हो गया, क्योंकि उनके नामांकन फार्म पर प्रस्तावक के रूप में दस लोगों के बजाय एक व्यक्ति के हस्ताक्षर थे पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के नामांकन फार्म वापस लेने के बाद मोतीसिह पटेल ने एडवोकेट विभोर खंडेलवाल के माध्यम से मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष याचिका प्रस्तुत की थी। इसमें कहा था कि कांग्रेस द्वारा जारी बी फार्म में दो प्रत्याशियों के नाम थे। इसमें अक्षय बम का नाम अनुमोदित प्रत्याशी और मोतीसिंह पटेल का नाम वैकल्पिक प्रत्याशी के रूप में था। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मोतीसिंह का नाम इस आधार पर निरस्त किया है कि उनके फार्म पर प्रस्तावक के रूप में 10 लोगों के बजाय सिर्फ एक व्यक्ति का नाम था। चूंकि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी ने नामांकन वापस ले लिया गया है इसलिए फार्म बी के आधार पर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में मोतीसिंह के नाम की घोषणा की जाना चाहिए क्योंकि पार्टी की तरफ से नामांकन फार्म जमा करने में प्रस्तावक के रूप में सिर्फ एक व्यक्ति के हस्ताक्षर पर्याप्त हैं। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया की खंडपीठ ने दो दिन पहले ही पटेल की याचिका निरस्त कर दी थी। पटेल ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। शुक्रवार को एक घंटे से अधिक समय तक चली बहस में पटेल की तरफ से एडवोकेट विभोर खंडेलवाल ने तर्क रखा कि पटेल का अधिकार उसी वक्त शुरू हुआ जब अक्षय बम ने अपना नामांकन फार्म वापस लिया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था जो शनिवार को जारी हुआ।

युवक ने खाया जहर, बहन से फोन पर बोला- मैं जीना नहीं चाहता... जा रहा हूं

भोपाल। दोस्त के कमरे पर रहकर रेपिडो चालक का काम कर रहे एक युवक ने शुक्रवार शाम को जहर खा लिया। उसके बाद अपनी बहन को फोन पर बोला- मैं खराब इंसान हूं। जीना नहीं चाहता। जा रहा हूं... मैंने जहर खा लिया है। यह सुनकर बहन ने तुरंत उसके दोस्त को फोन किया। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर छानबीन शुरू कर दी है। जहांगीराबाद थाना पुलिस के मुताबिक 23 वर्षीय अभिषेक पुत्र सुरेश गोस्वामी मूलतः बीना का रहने वाला था। वह एक माह पहले ही काम की तलाश में भोपाल आया था। यहां वह अशोका गार्डन में रहने वाले अविनाश नाम के दोस्त के कमरे पर रहने लगा था। कभी-कभी वह जहांगीराबाद स्थित पुरानी गल्ला मंडी में रहने वाले दोस्त शिवकांत के कमरे पर भी रुक जाता था। सुरेश की एक बहन भी भोपाल में रहती है। शुक्रवार शाम करीब सात बजे अभिषेक ने अपनी बहन को फोन पर बोला कि वह खराब इंसान है। जीना नहीं चाहता है। जा रहा हूं...। मैंने जहर खा लिया है। फोन सुनने के बाद बहन ने उसके दोस्त अविनाश और शिवकांत को फोन पर अभिषेक से हुई बात के बारे में बताया। शिवकांत ने बताया कि अभिषेक दोपहर से उसके कमरे पर है। शिवकांत अपने कमरे पर पहुंचा, तो बिस्तर पर बेसुध पड़ा हुआ था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां देर रात उसकी मौत हो गई।

बुजुर्ग मालकिन को रसोईघर में कैद कर नकदी, मोबाइल फोन ले भागा नौकर

भोपाल । शहर के टीटी नगर इलाके में देखरेख के लिए रखा गया नौकर बुजुर्ग घर मालकिन को रसोईघर में बंद कर घर में रखे पांच हजार रुपये और मोबाइल फोन लेकर भाग निकला। मालकिन के शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने आकर बाहर से बंद किए गए दरवाजे को खोलकर उन्हें मुक्त कराया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर आरोपित नौकर की तलाश शुरू कर दी है। टीटी नगर थाना पुलिस के मुताबिक 62 वर्षीय विश्वात्मा सक्सेना न्यू एमएलए क्वार्टर में अपने बयोवृद्ध पिता के साथ रहती हैं। उनकी बेटी मुंबई में एक निजी फर्म में नौकरी करती है। बेटी ने अपनी मां और दादा की देखरेख करने के लिए घर में महेंद्र सेन नाम के युवक को नौकरी पर रखा था। दो-तीन मई की रात में करीब एक बजे नौकर ने रसोईघर में कुछ कागज जला दिए। धुआं होने पर विश्वात्मा रसोईघर में पहुंचीं और नौकर से धुआं होने की बात पूछने लगीं, तभी महेंद्र ने रसोईघर का दरवाजा बंद कर दिया और कमरे में रखे पांच हजार रुपये और मोबाइल फोन लेकर भाग निकला। धुएं से भरे रसोईघर में बंद रहने के कारण बुजुर्ग महिला को घबराहट होने लगी। उन्होंने काफी शोर मचाया, तो पास के निर्माणाधीन मकान से कुछ मजदूर वहां पहुंचे और उन्होंने रसोईघर का बाहर से बंद दरवाजा खोलकर विश्वात्मा को मुक्त कराया। उनकी शिकायत पर पुलिस ने नौकर के खिलाफ बंधक बनाकर चोरी करने का केस दर्ज कर लिया है। आरोपित नौकर की तलाश की जा रही है।

आज शाम छह बजे थम जाएगा चुनाव प्रचार, उम्मीदवार घर-घर देंगे दस्तक, बाहरी लोगों को छोड़ना होगा शहर

भोपाल। लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल में सात मई मंगलवार को मतदान होगा। इससे पहले रविवार शाम छह बजे चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। इसके बाद उम्मीदवार जनसंपर्क को छोड़ चुनाव प्रचार के लिए किसी दूसरे माध्यम का सहारा नहीं ले पाएंगे। अगर इंटरनेट मीडिया पर प्रचार-प्रसार के लिए किसी तरह की पोस्ट, वीडियो या संदेश अपलोड किया या उसे फारवर्ड किया, तो उसका पता जिला स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मानिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) लगाएगी। इसके लिए साइबर सेल की मदद ली जाएगी। इस बार भी मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम छह बजे तक रहेगा। इसका उल्लंघन करने वाले के खिलाफ आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया जाएगा। साथ ही खर्च उम्मीदवार के खाते में जोड़ा जाएगा। उपजिला निर्वाचन अधिकारी दीपक पांडे ने बताया कि न्यूज चैनल और समाचार पत्रों पर नजर रखने के लिए 24 टीमें लगाई हैं। यह चौबीस घंटे न्यूज चैनल और समाचार पत्रों में आने वाले समाचार और विज्ञापनों पर नजर रख रही है। इसके साथ ही इंटरनेट मीडिया पर नजर रखने के लिए विशेष टीमें भी बनाई गई हैं। प्रचार-प्रसार समाप्त होने की समय-सीमा के बाद बाहरी क्षेत्र के व्यक्तियों को, जो भोपाल लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता नहीं हैं, उन्हें यह निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना होगा। इसे सुनिश्चित करने के लिए सघन निगरानी अभियान चलाया जाएगा। पुलिस होटल, लॉज, धर्मशालाओं आदि में चेकिंग करेगी।

मतदान समाप्ति तक बंद रहेंगी शराब दुकानें

लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल में सात मई को होने वाले मतदान की समाप्ति तक सभी शराब दुकानें बंद रहेंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने लोकसभा चुनाव का मतदान एवं मतगणना वाले दिन को शुष्क दिवस घोषित किया है इन दिनों में भोपाल जिले की सभी 87 शराब दुकानें और 60 बीयर बार 48 घंटे बंद रहेंगे। जारी आदेश के मुताबिक, सात मई को होने वाले मतदान से 48 घंटे पहले यानी पांच मई को शाम छह बजे शराब दुकानें बंद हो जाएंगी, जो मतदान खत्म होने तक बंद रहेंगी। इस दौरान भांग एवं भांग घोटा दुकानों को छोड़कर रेस्टोरेंट बार, होटल बार, सिविलयन क्लब बार, सैनिक थोक और फुटकर कैंटीन, रिटेल आउटलेट के अलावा देशी और अंग्रेजी शराब के वेयर हाउस भी बंद रहेंगे। इस दौरान शराब के संग्रहण, परिवहन और बिक्री करते पाए जाने पर आबकारी धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

रवींद्र भवन में दिलीप कुमार के गीतों से गुलजार होगी शाम

जनजातीय संग्रहालय में देखें चित्र प्रदर्शनी

भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। रविवार 05 मई को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में %माह का प्रादर्श% श्रंखला के तहत इस माह गोंड समुदाय में विवाह समारोह के दौरान आंगन में बने मड़वा (विवाह मंडप) के नीचे स्थापित किया जाने वाला मगरोही- एक विवाह स्तंभ को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथी संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में भील समुदाय की चित्रकार अनिता अमलियार के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। 49वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी को दोपहर 12 से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है।

करो और सीखो कार्यशाला - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में करो और सीखो कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रतिभागियों को कच्छ (गुजरात) के बीड वर्क का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कच्छ में रबारी समुदाय की महिलाएं लाल, पीले, हरे और नीले रंगीन कांच के मोतियों का उपयोग करके हार, झुमके और हेड कवर से लेकर पर्स, कोस्टर, वाल हैंगिंग और बैलेंस बनाती हैं। कच्छ में मनके आभूषण महिलाओं के पहनावे का हिस्सा हैं। यह कार्यशाला 08 मई तक चलेगी।

बाल नाट्य कार्यशाला - विहान ड्रामा वर्क्स की बाल सृजन इकाई 'स्वप्नयान' द्वारा आयोजित बाल नाट्य कार्यशाला का आयोजन एक से 26 मई तक किया जा रहा है। कार्यशाला मंजरी हाल न्यू मार्केट में चल रही है। इसका समय तीन बजे से शाम सात बजे तक है। इसके तहत नाटक की प्रस्तुति 27 मई को शाम सात बजे शहीद भवन में दी जाएगी।

सैन्य फिल्म प्रदर्शन - शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर शाम पांच बजे से सैन्य फिल्म फ्लाइंग सेलर्स दिखाई जाएगी। फिल्म्स डिवीजन आफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म समुद्री जहाजों पर तैनात पायलटों पर केंद्रित है, जो एयरक्राफ्ट करियर पर काम करते है।

जश्न-ए-मामू - अदाकार भोपाल की ओर से जश्न-ए-मामू का आयोजन रवींद्र भवन में किया जा रहा है। दूसरे दिन यादें संगीत संध्या के तहत दिलीप कुमार की फिल्मों के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति गायक कलाकार देंगे। समय शाम साढ़े छह बजे से है। आज जश्न-ए-मामू समारोह का अंतिम दिन है।

नाटकीय ढंग से सामने आए स्कूल संचालक, बयान के बाद नजरबंद, 8 वर्ष की बालिका से दुष्कर्म का मामला

भोपाल। राजधानी भोपाल के एक बड़े निजी स्कूल के होस्टल में दूसरी कक्षा की आठ वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म मामले में नया मोड़ आ गया है। घटना के बाद से ही गायब स्कूल संचालक और उनके बड़े भाई नाटकीय ढंग से शनिवार को पुलिस के सामने हाजिर हो गए। उन्होंने मिसरोद थाना पहुंचकर पुलिस को बताया कि वे जबलपुर में अपने एक रिश्तेदार के घर गए थे। घटना के बारे में पता चला तो अपना पक्ष रखने थाने आ गए। थाना प्रभारी की मौजूदगी में उनके बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने दोनों भाइयों को निगरानी में रखा है। इस बीच स्कूल में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग की पूरी जांच कर ली गई। होस्टल के जिस कमरे में मासूम से दुष्कर्म की बात सामने आई थी, उसमें पुलिस को कोई पुख्ता साक्ष्य नहीं मिले हैं। इधर, बच्ची की मां और बालिका अपने बयान पर कायम हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना वाले दिन स्कूल में कौन-कौन मौजूद था और उसके मोबाइल की लोकेशन क्या थी। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने भी अब तक मामले में होस्टल में रहने वाले कई अन्य बच्चों व काम करने वाले कर्मचारियों से पूछताछ की है स्कूल संचालक एवं उनके बड़े भाई ने पुलिस को बयान में बताया है कि सब इंस्पेक्टर प्रकाश राजपूत के कहने पर बच्ची को एडमिशन दिया गया था। बच्ची की मां ने अपनी क्वालीफिकेशन डाक्टर बताई थी, लेकिन दस्तावेज जमा नहीं किए थे। प्रकाश राजपूत पहले मिसरोद थाने में पदस्थ थे और स्कूल में एडमिशन के नाम पर कुछ लोगों को लेकर आया करते थे। इधर, पुलिस कमिश्नर कार्यालय ने प्रकाश राजपूत को लाइन अटैच कर दिया है क्योंकि अन्य थाना क्षेत्र का मामला होने के बावजूद उसने पीड़ित महिला एवं उसकी बच्ची के पक्ष में स्कूल प्रबंधन से बात करने की कोशिश की।

सहकारिता का विस्तार दे सकता है रोजगार और कृषि क्षेत्र के विकास को गति

भोपाल। सहकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जिसका विस्तार न केवल रोजगार के बड़े अवसर बना सकता है बल्कि कृषि क्षेत्र के विकास को गति भी दे सकता है। प्रदेश में सहकारिता की जड़ें काफी गहरी रही हैं लेकिन धीरे-धीरे यह क्षेत्र कमजोर होता गया। सरकारी तंत्र का हस्तक्षेप बढ़ा तो प्रजातांत्रिक व्यवस्था ही छिन्न-भिन्न हो गई। 14 वर्षों से सहकारी सस्थाओं के चुनाव ही नहीं हुए। केंद्र सरकार ने सहकारिता के माध्यम से विकास के नए अवसर उपलब्ध कराए पर इसका पूरी तरह उपयोग प्रदेश नहीं कर पाया। कई परियोजनाएं तैयार की गईं, कुछ स्वीकृत भी हो गईं पर जिस गति से इस क्षेत्र में काम होना चाहिए, वह अब तक नहीं हो पाया है। यदि सहकारिता पर ध्यान दिया गया तो यह न केवल रोजगार का बड़ा माध्यम बनेगा बल्कि कृषि क्षेत्र के विकास में भी सहायक हो। मध्य प्रदेश में साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां हैं। इनके माध्यम से किसानों के अल्पावधि कृषि ऋण देने के साथ खाद-बीज का वितरण, धान और गेहूं का उपार्जन, उचित मूल्य की राशन दुकानों का संचालन किया जाता है। इनके चुनाव 14 वर्ष से नहीं हुए हैं। यहां सरकार ने प्रशासक नियुक्त किए हैं, जो संस्थाओं के सामान्य कामकाज का संचालन कर रहे हैं। समितियों के चुनाव न होने से जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और राज्य सहकारी बैंक का चुनाव नहीं हो पाया। यही स्थिति आवास संघ सहित अन्य क्षेत्र में काम कर रही समितियों की भी हैं। सहकारी समितियों ने प्रदेश में शकर मिल चलाई तो कपास के क्षेत्र में भी काम किया पर ये अब बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। कुछ समितियां बंद हो गई तो कुछ इसी राह पर हैं। तिलहन संघ बंद हो चुका है। दुग्ध महासंघ का विस्तार भी नहीं हुआ, जबकि इस क्षेत्र में सर्वाधिक अवसर हैं। मत्स्य पालन का क्षेत्र भी उपेक्षा का शिकार है। जनप्रतिनिधियों का दखल सीमित होने से भ्रष्टाचार के मामले भी सामने आ रही हैं।

वाराणसी से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

भोपाल। ग्रीष्मकाल में अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने के उद्देश्य से वाराणसी -लोकमान्य तिलक टर्मिनस समर स्पेशल ट्रेन चार-चार ट्रिप चलाई जा रही है।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि ट्रेन 04228 वाराणसी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस समर स्पेशल ट्रेन चार जून से 25 जून (प्रत्येक शनिवार) को वाराणसी स्टेशन से रात 10:20 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन (रविवार) दोपहर 3:55 बजे बीना, 6:05 बजे भोपाल, 7:40 बजे इटारसी और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन (सोमवार) को सुबह 10:30 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि ट्रेन 04228 वाराणसी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस समर स्पेशल ट्रेन चार जून से 25 जून (प्रत्येक शनिवार) को वाराणसी स्टेशन से रात 10:20 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन (रविवार) दोपहर 3:55 बजे बीना, 6: 05 बजे भोपाल, 7:40 बजे इटारसी और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन (सोमवार) को सुबह 10:30 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन 04227 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-वाराणसी समर स्पेशल ट्रेन छह जून से 27 जून (प्रत्येक सोमवार) को लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन से दोपहर एक बजे प्रस्थान कर मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन (मंगलवार) को रात 02:40 बजे इटारसी, 04:45 बजे भोपाल, 07:50 बजे बीना और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए रात 11:20 बजे वाराणसी स्टेशन

शिवराज बोले- पहले तो कांग्रेस कहीं-कहीं दिखती थी, अब लोगों का भरोसा ही खो दिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का मानना है कि उल्टे- सीधे और अव्यवहारिक फैसलों ने कांग्रेस को रसातल पर पहुंचा दिया है। पहले तो कांग्रेसी कहीं कहीं दिख जाती थी लेकिन अब तो कहीं नजर तक नहीं आती। कांग्रेस ने आम लोगों का भरोसा खो दिया है। कांग्रेस में अब कुछ बचा नहीं है, यही कारण है कि मतदाता यह सोचने पर मजबूर हो गया है कि आखिर कांग्रेस को वोट क्यों दें। अब चारों तरफ मोदी और भाजपा ही दिखाई पड़ते हैं। चार कार्यकाल में सत्रह वर्ष तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज अब प्रदेश की राजनीति छोड़कर दिल्ली जा रहे हैं। जाहिर है उनकी जिमेदारियों में में भी खासा बदलाव आएगा। नईदुनिया ने चौहान से इस बारे में विस्तार से बातचीत की। जानिए क्या कहते हैं सांसद के नाते अपना योगदान देंगे। अच्छे सांसद बने और क्षेत्र का आदर्श विकास हो सके, जनता का कल्याण हो सके, यही मेरा प्रयास होगा। विदिशा की जनता ने मुझे पहले भी अपना प्रतिनिधि बनाकर दिल्ली भेजा था इसलिए वह मेरा ऋण है, उस ऋण को उतारना है। विदिशा संसदीय क्षेत्र को विकास के पंख लगाना है। यहां रोजगार के साधन मिलें, बेटा-बेटी सभी शिक्षित हों और वे आत्मनिर्भर बन सकें, यहीं मेरा सपना है। हम 29 की 29 सभी सीटें जीत रहे हैं। सरकार में रहते हुए भी कांग्रेस ने कभी विकास की ईंट तक नहीं लगाई। विकास के काम केवल भारतीय जनता पार्टी की

सरकार में ही हुए हैं। कांग्रेस के जमाने में ना सड़कें थी, ना बिजली और ना पानी की व्यवस्था थी। पता ही नहीं चलता था कि, सड़कों में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। पूरे मध्य प्रदेश को तबाह और बर्बाद कर दिया था। आज मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश आगे बढ़ रहा है और विकास पथ पर अग्रसर है। चुनाव में मोदी जी का चेहरा देखकर ही लोग भाजपा को वोट दे रहे हैं इसलिए हम 29 सीटें जीतेंगे। कांग्रेस पहले तो कहीं-कही दिखती थी लेकिन अब पूरी तरह खत्म हो गई। कांग्रेस अब खत्म हो रही है। कांग्रेस के उम्मीदवार भी पार्टी छोड़कर देश के विकास के लिए भाजपा में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस के अच्छे और विचारवान नेता कांग्रेस के गलत फैसलों की वजह से पार्टी छोड़ रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है कांग्रेस में अब कुछ नहीं बचा है। कांग्रेस पर अब लोगों को भरोसा नहीं रहा। उनके गलत फैसलों के कारण ही कांग्रेस में भगदड़ का माहौल है। ऐसे अजीबोगरीब फैसले कांग्रेस में हो रहे हैं कि कार्यकर्ता कांग्रेस में रहना ही नहीं चाहता है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का वो विरोध करें, अनुच्छेद 370 को हटाया तो कांग्रेस विरोध में खड़ी हो जाती है, आतंकियों को वो महमामंडित करते हैं। ऐसे फैसलों ने कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ दिया है इसलिए वे चाह रहे कि ऐसी कांग्रेस में रहकर क्या करेंगे। 19 को पहले चरण के मतदान के दौरान शादियां बहुत ज्यादा होने से मतदान प्रभावित हुआ। दूसरी वजह सामने कोई दमदार प्रत्याशी नहीं होने के कारण भी मतदान पर प्रभाव पड़ा है। जोश तब आता है, जब सामने वाला प्रत्याशी भी दमदार हो। इसका भी असर पड़ा है।

सामपदकीय

स्कूलों को मौत की धमकी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-नोएडा के 222 स्कूलों को बम से उड़ा देने की धमकी ने एकबारगी तो सभी को कंपा दिया। हडकंप मच गया। लाखों लोग सन्नाटे में आ गए। अभिभावक घर से भागे, दफ्तर का काम छोड़ा और स्कूलों की तरफ बदहवास दौड़े, ताकि अपने बच्चों को सकुशल घर वापस ला सकें। सडकों पर सायरन बज रहे थे। फायर ब्रिगेड की गाडियां भी भाग रही थीं। दिल्ली पुलिस के बम निरोधक दस्तों, श्वान दस्तों और अन्य जांच इकाइयों ने अपने-अपने मोर्चे संभाल लिए थे। दिन की शुरुआत किसी बड़े हादसे की संभावनाओं के साथ हुई थी। जिस ई-मेल आईडी-स्वारीम एट मेल डॉट आरयू- से स्कूलों को धमकी भेजी गई थी, उसकी शब्दावली आतंकी संगठन आईएसआईएस की भाषा से मिलती थी। ये शब्द अरबी भाषा के हैं, जिन्हें आईएस के आतंकी इस्तेमाल करते रहे हैं। रूसी डोमेन से मेल की गई थी। पुलिस का मानना है कि संभव है कि इसके लिए 'डार्कनेट' या 'प्रॉक्सी सर्वर' का प्रयोग किया गया हो! पुलिस की आतंकवाद विरोधी ईकाई, स्पेशल सेल भी जांच में जुड़ी है। साजिशकार कहीं बैठकर भी ये मेल भेज सकते थे। रूस में होना जरूरी नहीं है। रूस भारत के खिलाफ किसी 'हत्यारी साजिश' में शामिल क्यों होगा? क्या यह किसी आतंकी हमले का पूर्वाभ्यास भी हो सकता है? राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और नोएडा के अलावा बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई सरीखे महानगरों के स्कूलों में भी ऐसी फर्जी और अफवाह वाली मेल भेजी जा चुकी हैं। क्या आतंकी ताकतें हमारी व्यवस्था को सचेत कर, अंततः लापरवाह कर देना चाहती हैं, ताकि असल हमला किया जा सके। बेशक 8 घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस और गृह मंत्रालय इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि सब कुछ फर्जी था, अफवाह थी, लेकिन 2 लाख से अधिक स्कूली बच्चों की सुरक्षा दांव पर है। दिल्ली में आतंकी हमले होते रहे हैं, बेशक मोदी सरकार में वे नगण्य हो गए हैं। ऐसी अफवाहें भी 'साइबर अपराध' का हिस्सा हैं, जिसके खिलाफ कार्रवाई के लिए सीमापार पुलिस को भी सक्रिय होने की जरूरत है। दिल्ली-एनसीआर में जो कुछ भी हुआ है, वह धडक़नें रोक देने वाला प्रकरण है। एक तरफ मौत की धमकी थी, तो दूसरी ओर गृह मंत्रालय और पुलिस दहशत में न आने की बात कह रहे थे। शुक्र है कि मेल फर्जी, अफवाहपूर्ण साबित हुई, लेकिन बड़ी त्रासदी भी हो सकती थी। इन स्कूलों में 2 लाख से अधिक बच्चे पढ़ते हैं, अध्यापक और कर्मचारी भी हैं। यदि वाकई बम रखे होते और वे विस्फोट कर जाते, तो कल्पना करते हुए भी मन सिहरने लगता है! पाकिस्तान में फर्जी सिलसिलों के बाद अचानक पेशावर के स्कूल पर आतंकी हमला किया गया था, जिसमें करीब 140 मासूम छात्र मारे गए थे। पाकिस्तान को तो हम आतंकवाद की पनाहगाह मान सकते हैं, लिहाजा ऐसे हमले की कल्पना भी कर सकते हैं, लेकिन हमारे कोलकाता के करीब 200 सरकारी और निजी स्कूलों को इसी अप्रैल में ही, ई-मेल के जरिए, बम-विस्फोट की धमकी दी गई थी। 1 दिसंबर, 2023 को बेंगलुरु के 48 स्कूलों में बम की अफवाह फैलाई गई थी। फरवरी, 2024 में चेन्नई के 13 स्कूलों को ऐसी ही धमकी भेजी गई थी। क्या स्कूल ही किसी संगठन या साजिशकार के आसान निशाने पर हैं? ई-मेल की भाषा इतनी नफरत भरी थी कि हिंदुस्तान की व्यवस्था को 'काफिर' कहा गया था। आठ बार 'इंशाल्लाह' या 'अल्लाह' लिखा गया था, लिहाजा साफ संकेत है कि किस जमात ने वह मेल भेजी होगी! इन ई-मेल के मूल तक पहुंचना या साजिशकार का चेहरा चिह्नित करना लगभग 'असंभव' है, क्योंकि ई-मेल भेजने के बाद अकाउंट ही समाप्त कर दिया गया है। साजिशकार एक से दूसरे देश में चले गए होंगे! सीमापार जांचों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को साझा करने की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था ही लगभग गायब है। यह सभी देशों के लिए गंभीर चुनौती है। भारत की 'पारस्परिक कानूनी सहायता संधि' करीब 42 देशों के साथ ही है, जबकि करीब 195 देश संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य हैं। यह संधि 'साइबर अपराध' की जांच के लिए भी अनिवार्य हो, ऐसा प्रावधान नहीं है।

खतरनाक है विज्ञान और धर्म में घालमेल की कोशिश
सचेत करता है रूस और जर्मनी का इतिहास

वर्ष 2009 में दो प्रसिद्ध शिक्षाविदों एवं शीर्ष वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों के निदेशकों ने मुझे बताया था कि उन्हें विदेश में रहने वाले भारतीय शोधकर्ताओं से नौकरियों के लिए सबसे अच्छे आवेदन मिल रहे थे। यह दिलचस्प था, वे भारतीय वैज्ञानिकों के विदेश में नौकरी करने वाले स्वभाव से कहीं अधिक परिचित थे। दरअसल, वैज्ञानिकों की प्रतिभा एक बड़ी संख्या में पश्चिम देशों से वापस भारत की ओर लौट रही थी। प्रतिभा पलायन के इस आंशिक उलटफेर के कई कारण थे। वैश्विक वित्तीय संकट के कारण पश्चिमी विश्वविद्यालय धन की कमी का सामना कर रहे थे, वहीं भारत अनुसंधान और छात्रवृत्ति पर अधिक खर्च कर रहा था। केंद्र सरकार ने उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान केंद्रों की एक श्रृंखला स्थापित की, जिन्हें भारतीय वैज्ञानिक शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा कई नए आईआईटी भी खुले। इन सभी ने अपने संकाय में शामिल होने के लिए प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आकर्षित किया।

1940-50 के दशकों में विदेशों से पीएचडी किए कुछ विद्वान भारत लौट आए थे, जिनमें ई.के.जानकी अम्मल, होमी भाभा, एम.एस. स्वामीनाथन, सतीश धवन और ओबैद सिद्दीकी जैसे विश्व स्तरीय वैज्ञानिक शामिल थे। उनके भारत लौटने की पहली वजह थी, अपनी मातृभूमि से प्रेम। ये सभी उस समय बड़े हुए थे, जब यहां राष्ट्रीय आंदोलन चल रहा था। जब भारत स्वतंत्र हो गया तो वे इसके भविष्य को आकार देने में मदद करने के लिए अपनी मातृभूमि में लौटना चाहते थे। हालांकि बाद के दशकों में जिन लोगों ने विदेश में पीएचडी की, काम करने के लिए उनके वहीं रहने की संभावना अधिक थी। वजह यह कि अधिकांश वैज्ञानिक अनुसंधान करने की स्वतंत्रता और अच्छा जीवन जीने के लिए बेहतर सामाजिक वातावरण चाहते हैं, जिसमें वे परिवार का पालन-पोषण कर सकें। अगर अपने देश में भी इसी तरह के मानदंड हों तो वे यहां भी काम करना चाहेंगे।

2009 में जब बेंगलुरु में मैंने बात की थी, भारतीय वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र हाल के दिनों की तुलना में अधिक आशाजनक लग रहा था। अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही थी, जिससे शैक्षणिक वेतन में वृद्धि हुई। समाज भी पिछले दशकों की तुलना में अधिक सहिष्णु और अधिक मिलनसार दिखाई दिया। ऐसा लगता है कि 1990 और 2000 के दशकों की शुरुआत में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण समाप्त हो गया था। स्वतंत्र अनुसंधान करने की इच्छा रखने वाले युवा वैज्ञानिक के लिए 1999, 1989 या 1979 की तुलना में 2009 भारत में नौकरी की तलाश करने के लिए कहीं बेहतर समय था। पंद्रह सालों के बाद क्या विदेश से पीएचडी करके भारत लौटने के इच्छुक युवा वैज्ञानिकों के लिए स्थिति अब भी उतनी ही आकर्षक होगी? मुझे इस पर भारी संदेह है। इसका मुख्य कारण यह है कि मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार, डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार की तुलना में वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति कहीं अधिक प्रतिकूल है। प्रधानमंत्री मोदी हार्वर्ड में पढ़ने वालों की तुलना में कड़ी मेहनत को प्राथमिकता देते हैं।

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सोच बिल्कुल स्पष्ट थी। उन्होंने आईआईटी की स्थापना की और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च का पुरजोर समर्थन किया था। डॉ. मनमोहन सिंह ने भी आईआईएसईआर की स्थापना में मदद की। नेहरू से लेकर डॉ. सिंह के बीच के सभी प्रधानमंत्रियों ने इसी तरह बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा दिया। लेकिन 2014 के बाद से ये सब बदल गया है। एक तो वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देने में नरेंद्र मोदी की रुचि बहुत कम है, दूसरे उन्होंने हिंदुत्व विचारकों को आईआईटी के कामकाज में हस्तक्षेप करने की अनुमति दे रखी है। पहले इन संस्थानों के निदेशकों को उनके अकादमिक साथियों द्वारा चुना जाता था, लेकिन अब इन संस्थानों के निदेशकों के नामों की दक्षिणपंथी विशेषज्ञों द्वारा जांच की जाती है और उनकी विचारधारा का पालन करने वालों को ही चुना जाता है। कुछ?समय पहले विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सचिव द्वारा जारी किए गए नौ ट्वीट्स की एक श्रृंखला में भारतीय विज्ञान में हिंदुत्व की वैचारिक पैठ को स्पष्ट रूप से चित्रित किया गया। इन्होंने बेंगलुरु के भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की एक ऐसी प्रणाली तैयार करने के लिए प्रशंसा की, जिससे राम नवमी पर अयोध्या के नए मंदिर में भगवान की मूर्ति पर सूरज की रोशनी पड़ सके। उनके ट्वीट को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी टिप्पणियां हुईं। कुछ आलोचक तो यहां तक कहने लगे कि सचिव महोदय जिस बात की भारतीय विज्ञान में महान योगदान के रूप में प्रशंसा कर रहे थे, वह कार्य हाईस्कूल के किसी तेज छात्र द्वारा भी किया जा सकता था। मैं इस मामले को लेकर अपने उस दोस्त के पास गया, जिसने अमेरिकी विश्वविद्यालय से भौतिकी में पीएचडी की थी। उन्होंने धैर्यपूर्वक मुझे समझाया कि किस तरह से लेंस और दर्पणों को कलात्मक रूप से डिजाइन करके और उन्हें रणनीतिक रूप से सही जगहों पर रखकर सौर और चंद्र चक्रों के बीच विच्छेदन/संयोजन की गणना करके अयोध्या में मूर्ति पर सूर्य के प्रकाश को चमकाया गया था। इस तरह से विज्ञान को थोड़ा परिष्कृत किया गया था, लेकिन यह अभूतपूर्व तो किसी भी तरह से नहीं था। यह संभव है कि डीएसटी सचिव कट्टर हिंदू हों, फिर भी वह यह तो निश्चित रूप से जानते हैं कि प्रधानमंत्री द्वारा राम मंदिर का उद्घाटन आम चुनाव से कुछ दिन पहले आध्यात्मिक कारणों से नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों से किया गया था। उन्होंने स्वयं को इसके सर्जक और प्रेरणास्रोत के रूप में प्रस्तुत किया। इसके बावजूद डीएसटी सचिव ने इस बात को उजागर करना उचित समझा कि किसी प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा अब तक किया गया सबसे कमजोर वैज्ञानिक कार्य क्या हो सकता है। यह मामला पीएम की पसंदीदा राजनीतिक परियोजना से संबंधित है और चुनाव शुरू होने से कुछ ही दिन पहले हुआ, यह संयोग नहीं है।

यह अत्यंत दुखद है कि प्रेस पर मोदी सरकार के हमले, सिविल सेवाओं और राजनयिक कोर का राजनीतिकरण, सशस्त्र बलों को धर्मनिरपेक्ष न रहने देने की कोशिश और स्वतंत्र नियामक संस्थानों को अपने अधीन करने का प्रयास किया गया है। इस बात की किसी को चिंता नहीं कि यह भारत में विज्ञान के अध्ययन को कमजोर कर रहा है। नाजियों के नस्ल सिद्धांत ने जर्मन विज्ञान को नष्ट कर दिया था। मार्क्सवाद की राजनीतिक हठधर्मिता ने रूसी विज्ञान को दशकों पीछे धकेल दिया। अब हमारे देश में सर्वोत्तम संस्थानों के शोधकर्ताओं के काम को हिंदुत्व और नरेंद्र मोदी की महिमा के अनुरूप ढालने की कोशिश हो रही है। इसका भारत में वैज्ञानिकों के मनोबल पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

जब विज्ञान पूरी तरह धर्म और राजनीति के हितों के अधीन है तो यहां काम करने वाले कौन से प्रतिभाशाली शोधकर्ता विदेशों से आने वाले आकर्षक प्रस्तावों का विरोध करेंगे और इस स्थिति में विदेशों में प्रशिक्षित किन वैज्ञानिकों के अपने देश में काम पर लौटने की संभावना है?

सौ साल बाद भी समय को लेकर उठे सवाल का आज भी नहीं मिला जवाब, क्या वक्त एक धोखा है?

अंग्रेज तर्कशास्त्री मैक्टेगार्ट ताश के पत्तों के प्रयोग से एक तर्क गढ़ते हैं कि वक्त दरअसल कुछ है ही नहीं। यह एक भ्रम है। हालांकि उनके प्रयोग ने समय के रहस्य के समाधान के बजाय उसे और उलझा दिया है।

हम हर चीज पर संदेह कर सकते हैं, लेकिन अपने जन्म, जीवन और मृत्यु पर संदेह नहीं कर सकते। इस यात्रा में उम्र के कई पड़ाव भी हम पार करते हैं, जिन्हें समय की समझ के बगैर नहीं समझा जा सकता। लेकिन भौतिक विज्ञानियों में यह संदेह है कि जिस तरह हम समय का अनुभव करते हैं, वह मौजूद है भी या नहीं? अल्बर्ट आइंस्टीन का सापेक्षता का सिद्धांत कहता है कि समय निरपेक्ष न होकर सापेक्ष है। इसे एक उदाहरण से समझें। दिल्ली से लखनऊ के बीच की करीब साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी अगर सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तय करें, तो हमें लखनऊ पहुंचने में साढ़े पांच घंटे लगते हैं। लेकिन अगर यही दूरी इससे ज्यादा तेज गति से तय की जाए, तो यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाता है। जाहिर है कि आप कितनी तेजी से यात्रा कर रहे हैं, इसके आधार पर यह तेज या धीमा हो सकता है। इस आधार पर ही आधुनिक भौतिकी कहती है कि समय एक भ्रम भी हो सकता है।

वर्तमान क्षण जैसा कुछ नहीं

वैज्ञानिक लंबे समय से मानते आ रहे हैं कि समय पूर्ण और सार्वभौमिक है, जो हर किसी के लिए एक समान, हर जगह और स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में है। आइंस्टीन के सिद्धांतों के अनुसार, ब्रह्मांड एक स्थिर, चार आयामी ब्लॉक है, जिसमें सभी देश व काल एक साथ अस्तित्व में हैं और जिसमें किसी खास वर्तमान क्षण जैसी कोई चीज नहीं है। किसी के लिए जो अतीत है, वही दूसरे के लिए भविष्य हो सकता है। इसका अर्थ यह भी है कि समय अतीत से भविष्य की ओर यात्रा नहीं करता, जैसा अमूमन समझा जाता है। भौतिक विज्ञान के विभिन्न हिस्सों में जैसे क्वांटम यांत्रिकी में समय के विचार को लेकर एक टकराव दिखता है। तो क्या वाकई समय एक भ्रम है, यह पता लगाने का एक ही तरीका है कि तर्क का उपयोग कर यह साबित किया जाए कि समय अवास्तविक है।

मैक्टेगार्ट का तर्क

1908 में, एक अंग्रेज दार्शनिक जे.एम. ई. मैक्टेगार्ट ने तर्क दिया कि हम केवल तार्किक सोच का उपयोग करके समय के भ्रम को समझ सकते हैं। मान लीजिए, किसी ने आपको ताश के पत्तों का एक बॉक्स दिया है, जिनमें से प्रत्येक कार्ड एक घटना का प्रतिनिधित्व करता है। एक पत्ता वर्ष 2024 का, दूसरा महारानी विक्टोरिया की मृत्यु का, और तीसरा 2026 में सूर्य ग्रहण को दर्शाता हो। ताश के इन पत्तों को मिला दिया गया है। आपको इन पत्तों को इस तरह से व्यवस्थित करने के लिए कहा गया है, जो समय का प्रतिनिधित्व करे। आप यह कैसे करेंगे?

पहला विकल्प बी-श्रृंखला

मैक्टेगार्ट इसका पहला तरीका बताते हैं, बी-श्रृंखला। इसमें आप पहला पत्ता चुनते हैं और उसे जमीन पर रख देते हैं। अब आप दूसरा पत्ता चुनते हैं और उसकी तुलना पहले से जमीन पर रखे पत्ते से करते हैं। अगर दूसरा पत्ता उससे पहले की घटना है, तो इसे जमीन पर रखे पत्ते के बाईं ओर रख देते हैं और अगर बाद की घटना है, तो दाईं ओर रख देते हैं। आप देखेंगे कि रानी विक्टोरिया की मृत्यु वाला पत्ता 2026 के सूर्य ग्रहण वाले पत्ते के बाईं ओर रखा जाएगा। 2024 वाला पत्ता 2026 के सूर्य ग्रहण वाले पत्ते के बाईं ओर, लेकिन रानी विक्टोरिया

की मृत्यु वाले पत्ते के दाईं ओर रखा जाएगा। आप यह प्रक्रिया तब तक दोहराते रहें, जब तक कि आप एक क्रम में पत्ते न पा लें। लेकिन जब आप एक क्रम में पत्ते पा लेते हैं, तब आपको किसी कमी का एहसास होता है। अब पत्तों की पंक्ति स्थिर है, अब उनमें किसी बदलाव की जरूरत नहीं। अब आप कैसे कह सकेंगे कि समय बदलाव को दिखाता है? आखिर भौतिक विज्ञान भी तो यही कहता है कि समय बदलाव को मापने का जरिया है। कोई भी उपकरण जो समय को मापता है, वह बदलाव पर ही निर्भर होता है। जैसे घड़ी अपनी सुइयों की गति पर। याद कीजिए, आपका मूल काम पत्तों को इस क्रम में व्यवस्थित करना था, जो समय का सही ढंग से प्रतिनिधित्व करता हो। लेकिन अंत में आप वहां पहुंच गए, जो नहीं बदलता। अब इस आधार पर यह कहना कि समय नहीं बदलता, तो अजीब होगा। जाहिर है कि बी-श्रृंखला समय को कैप्चर नहीं करती।

ए-श्रृंखला की सीमाएं

एक और भी विकल्प है। आप फिर से शुरू कर सकते हैं। इसे मैक्टेगार्ट 'ए-श्रृंखला' कहते हैं, जिसका उपयोग करके आप फिर से ताश के पत्तों को व्यवस्थित कर सकते हैं और समय को भी समझ सकते हैं। आप पत्तों के तीन ढेर बनाएं। बाईं ओर की ढेरी अतीत में घटी घटनाओं को दर्शाती है, जैसे रानी विक्टोरिया की मृत्यु। बीच में वे घटनाएं, जो वर्तमान में घटित हो रही हैं, जैसे वर्ष 2024 और दाईं ओर, वे जो भविष्य में घटित होंगी, जैसे-2026 का सूर्य ग्रहण। बी-श्रृंखला के विपरीत, यह व्यवस्था स्थिर नहीं है। जैसे-जैसे समय बीतता है, आपको पत्तों को दाएं (भविष्य) से मध्य (वर्तमान) और फिर बाएं (अतीत) ढेर में लाना होगा। क्या इसका मतलब यह कि ए-श्रृंखला समय का वर्णन करती है? मैक्टेगार्ट के अनुसार, ए-श्रृंखला गोलाकार है। आपके हाथ द्वारा पत्तों को बाएं ढेर से मध्य और फिर दाएं ढेर में ले जाना एक ऐसी प्रक्रिया है, जो समय में पहले ही हो चुकी है और आप उसका अनुकरण भर कर रहे हैं। इस व्यवस्था को चलाने के लिए आपको केवल समय पर रहना होगा। लेकिन समय को पकड़ने के लिए आपको समय से पहले होना होगा।

मैक्टेगार्ट का निष्कर्ष

जाहिर है कि बी-श्रृंखला समय को विश्लेषित नहीं कर सकती, क्योंकि उसमें बदलाव नहीं है। ए-श्रृंखला भी नहीं कर सकती, क्योंकि यह बदलाव तो करती है, लेकिन यह वृत्ताकार है, जिसमें पहले चीजें समय में घटती हैं, और आप सिर्फ अनुकरण करते हैं। इस आधार पर मैक्टेगार्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि समय वास्तविक नहीं है, यह एक भ्रम है।

सौ साल बाद

सौ साल से भी ज्यादा वक्त बीतने के बाद भी समय को लेकर उठा सवाल आज भी अनुत्तरित है। ए और बी श्रृंखलाओं की सीमाओं के बाद एक सी-श्रृंखला की बात की जाने लगी, जिसके सिद्धांतकार कहते हैं, पत्तों की अतीत या भविष्य जैसी कोई दिशा नहीं होती। वर्ष 2024, रानी विक्टोरिया की मृत्यु और 2026 के सूर्य ग्रहण के बीच आता है। लेकिन सी-सिद्धांत के अनुसार ऐसा कोई क्रम नहीं है, यह केवल एक मानसिक आदत है। यह दीवार पर चित्र उकेरने जैसा है। आप कितने ही चित्र उकेर लें, दीवार की अपनी कोई दिशा नहीं होती। ए, बी या सी कौन-सी श्रृंखला सही है, या कोई भी सही नहीं है, यह तो समय ही बताएगा। महत्वपूर्ण यह है कि मैक्टेगार्ट ने बगैर किसी वैज्ञानिक निष्कर्ष का सहारा लिए समय की समस्या के समाधान के तर्क को आगे बढ़ाने का प्रयास किया।

सिंघम अगेन में दिखेगा दीपिका और करीना का जलवा, क्रू अभिनेत्री ने किया खुलासा

करीना कपूर खान और दीपिका पादुकोण मौजूदा दौर की दो बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं। इन दोनों नें अपनी अदाकारी से लगातार दर्शकों और फिल्म समीक्षकों का दिल जीता है। इन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। करीना हाल ही में फिल्म क्रू में नजर आई थीं। वहीं, दीपिका अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ फिल्म फाइटर में दिखी थीं। अब दोनों अभिनेत्रियां फिल्म सिंघम अगेन में एक साथ नजर आने वाले हैं।

सितारों का जमघट है सिंघम अगेन रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सिंघन अगेन इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म में कई सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं। इनमें अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, करीना कपूर खान और दीपिका पादुकोण शामिल हैं। सितारों की लंबी-चौड़ी लिस्ट की वजह फिल्म काफी हाइप बटोर चुकी है। दीपिका और करीना के फैंस दोनों को एक साथ एक एक्शन पैक्ड फिल्म में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। एक इंटरव्यू के दौरान करीना ने बताया कि इस फिल्म में दीपिका और उनका किरदार काफी दमदार होने वाला है। फिल्म में अजय, अक्षय, टाइगर, रणवीर जैसे अभिनेताओं की मौजूदगी के बावजूद भी वो और दीपिका महत्वपूर्ण किरदार निभाते नजर आएंगी।

दीपिका और करीना का होगा महत्वपूर्ण किरदार बातचीत के दौरान करीना ने बताया कि यह फिल्म पूरी तरह से पुरुष पात्रों के दमदार किरदारों पर निर्भर है। हालांकि, फिल्म में वो और दीपिका भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगी। करीना ने कहा, दीपिका और मैं फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हालांकि, यह फिल्म काफी अलग होगी, इस साल की यह एक बड़ी फिल्म साबित हो सकती है। मुझे विश्वास है कि लोग इस फिल्म को पसंद करेंगे।

बकिंघम मर्डर्स में आएंगी नजर वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना हाल में ही फिल्म क्रू में नजर आई थीं। फिल्म में उनके अलावा तब्बू और कृति सैनन ने भी अहम भूमिका निभाई थी। सिंघम अगेन के अलावा करीना फिल्म निर्माता हंसल मेहता की आगामी फिल्म बकिंघम मर्डर्स में नजर आएंगी। वहीं, दीपिका अपनी अगली फिल्म कल्कि 2898 ए.डी. में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को नाग अश्विन निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म को लेकर जबरदस्त हाइप बनी हुई है।

बेटों को बराबरी का पाठ पढ़ा रहीं करीना

बोलीं- मैं और सैफ बातचीत करते वक्त सावधानी बरतते हैं

करीना कपूर खान अपनी फिल्मों के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करती हैं। अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में कई उदाहरण सेट किए हैं। एक तरफ अभिनेत्रियां शादी और मां बनने के बाद करियर से किनारा कर लेती हैं, वहीं बेबो ने इस मामले में करियर से समझौता नहीं किया। तैमूर और जेह के जन्म के बाद भी वे अब तक अपने काम पर डटी हुई हैं। इसके साथ-साथ वह मां होने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाती हैं। करीना कपूर जब काम के सिलसिले में यात्राओं पर जाती हैं तो अक्सर बड़ा बेटा तैमूर भी उनके साथ जाना चाहता है। बेबो ने हाल ही में इस बारे में बात करते हुए तैमूर की प्रतिक्रिया के बारे में बताया। हाल ही में करीना कपूर दिल्ली आईं, जहां उन्हें यूनीसेफ इंडिया का नेशनल एंबेसडर नियुक्त किया गया। इवेंट में उन्होंने घर पर समानता के कॉन्सेप्ट पर जोर दिया और कहा, मुझे लगता है कि जो लड़के न केवल अपने पिता, बल्कि अपनी मां को भी काम करते देखते हैं, उनके मन में इस बात के लिए कुछ सम्मान होता है। उन्हें लग सकता है कि मां भी व्यस्त रह सकती हैं। करीना कपूर जिस दिन दिल्ली आईं, तब तैमूर की छुट्टी थी ऐसे में उसने मां से घर पर ही रहने की जिद की। करीना ने कहा, मैंने उसे समझाया कि मुझे काम पर जाना है। इस पर तैमूर ने कहा, आप हमेशा काम के लिए दिल्ली और दुबई जाती हो, मैं आपके साथ रहना चाहता हूं। मैंने उससे कहा कि काम भी जरूरी है और मैं वापस आकर आपको और यादा वक्त दूंगी। मैंने तैमूर से ये वादा किया, जिससे कि वह ऐसा महसूस न करे कि उसे नजरअंदाज किया गया है। करीना कपूर ने आगे कहा, इस तरह वह इस बात का सम्मान करेगा कि अब्बा काम पर जाते हैं और घर आते हैं और यही बात मां के लिए भी लागू होती है। बचे इस समानता को समझते हैं कि मेरे माता-पिता दोनों काम कर रहे हैं। मैं चाहती हूं कि वह यह समझते हुए बड़ा हो कि इस घर में हम बराबर हैं। करीना कपूर ने यह भी कहा कि सैफ और वह घर पर बचों के सामने बातचीत के दौरान काफी सावधानी बरतते हैं। करीना के मुताबिक, बचे इस बात से सीखते हैं कि माता-पिता एक-दूसरे से कैसे बात करते हैं। सैफ हमेशा मुझसे कहते हैं कि हम एक-दूसरे से प्यार से बात करते हैं और इसलिए हमारे बचे एक-दूसरे से और दूसरों से प्यार से बात करेंगे। इसी तरह मैं अपने दोनों बेटों में सम्मान की भावना विकसित करने की कोशिश करती हूं।

दमदार अभिनय का लोहा मनवाने के बाद राजनीति में उतरीं ये टीवी अभिनेत्रियां, करियर को दिया नया मुकाम

मनोरंजन की दुनिया में अभिनेत्रियां अपनी दमदार अदाकारी से अभिनेताओं को भी टक्कर दे रही हैं। ऐसा ही कुछ माहौल टेलीविजन इंडस्ट्री में भी है। टेलीविजन इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के किरदारों को यादा तवजो दी जाती है। अब मनोरंजन की दुनिया से निकलकर वे अभिनेत्रियां अपना करियर को दूसरे क्षेत्र में भी बनाना चाहती हैं। हाल ही में टीवी की मशहूर अभिनेत्री रुपाली गांगुली ने राजनीति में कदम रखा है। रुपाली टीवी के मशहूर शो अनुपमा से घर-घर में पहचान बना चुकी हैं और अब वे राजनीति में भी परचम लहराने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रुपाली से पहले भी कई टीवी अभिनेत्रियां राजनीति में अपना दमखम दिखा चुकी हैं। चलिए जानते हैं उनके बारे में...

रुपाली गांगुली

टीवी शो अनुपमा के जरिए घर-घर में मशहूर हुई अभिनेत्री रुपाली गांगुली ने राजनीतिक पारी शुरू की। वे भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो हुईं। अभिनेत्री बीते बुधवार को दिल्ली में भाजपा मुख्यालय पहुंचीं और पार्टी में शामिल हुईं। रुपाली दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंची थीं, जहां उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ली। उनकी पार्टी में शामिल होने वाली

तस्वीरें खूब वायरल हुई थीं।

स्मृति ईरानी

टीवी की सबसे प्यारी बहू तुलसी विरानी उर्फ स्मृति ईरानी ने शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी में बेहतरीन बहू तुलसी का किरदार निभाकर लोगों का दिल जीत लिया। इसके बाद स्मृति 2003 में बीजेपी में शामिल हो गईं और अब वे भारत की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो अब राजनेता बनी हैं। वह भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री हैं।

राखी सावंत

राखी सावंत आइटम गर्ल से अभिनेत्री बनीं। फिर 2014 में वे राजनेता बनीं। राखी ने एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मुंबई उत्तर-पश्चिम से लोकसभा चुनाव लड़ने की अपनी योजना की घोषणा की थी और उन्होंने राष्ट्रीय आम पार्टी (आरएपी) नामक पार्टी की स्थापना की। राखी ने अपनी पार्टी का प्रचार हरी मिर्च के प्रतीक के साथ किया, जो उन्हें उनके व्यक्तित्व से मिलता जुलता लगा। उन्हें मुंबई उत्तर-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से केवल 2006 वोट मिले और चुनाव हार गईं। राखी ने जून 2014 में आरएपी से इस्तीफा दे दिया और आरपीआई पार्टी में शामिल हो गईं।

शिल्पा शिंदे

भाभी जी घर पर हैं में अंगूरी के किरदार के लिए लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे 5 फरवरी, 2019 को मुंबई में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुईं। बिग बॉस 11 की विजेता शिल्पा कांग्रेस पार्टी के मुंबई अध्यक्ष संजय निरुपम और पार्टी नेता चरण सिंह सपरा की उपस्थिति में राजनीतिक पार्टी में शामिल हुईं।

अर्शी खान

बिग बॉस 11 फेम अर्शी खान भी राजनीति में शामिल हुई थीं। वे 2019 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुई थीं। पार्टी में अभिनेत्री का स्वागत किया गया और जाहिर तौर पर उन्हें पार्टी में एक बड़े पद की पेशकश की गई थी। वे महाराष्ट्र की उपाध्यक्ष के तौर पर कांग्रेस में शामिल हो गईं। 28 फरवरी 2019 में मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने अभिनेत्री का पार्टी में स्वागत किया था।

बॉक्स ऑफिस को अलविदा कहने की तैयारी में रुसलान

भारतीय बॉक्स ऑफिस की रौनक इन दिनों थोड़ी फीकी नजर आ रही है। बीते कई हफ्तों में रिलीज हुई फिल्में टिकट खिड़की पर दमदार कलेक्शन नहीं कर सकी हैं। हाल ही में रिलीज हुई रुसलान का हाल बेहाल है। फिल्म में आयुष शर्मा ने जमकर मेहतक की, लेकिन फिर भी यह फिल्म कमाल नहीं दिखा सकी। वहीं, अक्षय कुमार और अजय देवगन की फिल्में भी सिनेमाघरों तक भीड़ खींचने में नाकाम रही हैं। आइए जानते हैं कि कौन सी फिल्म ने कितना कलेक्शन किया... रुसलान टिकट खिड़की पर कमाल नहीं दिखा सकी है। आयुष शर्मा को इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन दर्शकों का प्यार इसे नहीं मिल सका। पहले दिन से ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाई के लिए संघर्ष करती दिख रही है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने महज चार करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में भी फिल्म की हालत खस्ता नजर आ रही है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक नौवें दिन फिल्म ने एक लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई चार करोड़ आठ लाख रुपये हो गई है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का इंतजार लोगों को लंबे समय से था। हालांकि, फिल्म की कहानी लोगों को लुभा नहीं सकी। पहले हफ्ते के ठीक-ठाक प्रदर्शन के बाद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 24वें दिन फिल्म ने 40 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 63.05 करोड़ रुपये हो गई है। अजय देवगन की मैदान भी टिकट खिड़की पर धमाकेदार प्रदर्शन करने में विफल रही है। इस फिल्म को भी ईद के मौके पर रिलीज किया गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह अच्छी कमाई नहीं कर सकी। 24वें दिन इस फिल्म ने एक करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म का कुल बिजनेस अब 47.1 करोड़ रुपये हो गया है।

वह डायरेक्टर जो फिल्मों के नाम में लगाता था तीन क, धर्मेंद्र से कहा था- तुझे हीरो बनाऊंगा

फिल्म निर्देशक और निर्माता अर्जुन हिंगोरानी को दुनिया को अलविदा कहे छह साल हो चुके हैं। 5 मई, 2018 को उनका निधन हो गया था। आज उनकी छठीं बरसी है। 60 से 90 का दशक उनके करियर का सुनहरा दौरा था। इन तीस सालों में उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में बनाई थी। उनका जन्म 15 नवंबर, 1926 को हुआ था।अर्जुन हिंगोरानी की वह शख्स थे, जिन्होंने बॉलीवुड पर कई सालों तक राज करने वाले धर्मेंद्र की फिल्मों में एंट्री कराई थी। उन्होंने साल 1960 में फिल्म %दिल भी तेरा हम भी तेरे% में धर्मेंद्र को मौका दिया था। यहीं से उनके करियर का श्रीगणेश हुआ था। अर्जुन के निधन के बाद धर्मेंद्र मायूस हो गए थे। उन्हें इस खबर से गहरा धक्का लगा था। धर्मेंद्र ने तब उन्हें याद करते हुए कहा था कि अर्जुन अक्सर उनसे कहते रहते थे कि मैं तुझे साइन करुंगा।

क्या डेब्यू फिल्म की शूटिंग में घबराए हुए थे सनी देओल ? अभिनेता ने कपिल के शो पर खोला राज

सनी दओल को आखिरी बार बड़े पर्दे पर फिल्म गदर 2 में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म के बाद अभिनेता कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हाल ही में वे द ग्रेट इंडियन कपिल शो में अपने भाई बॉबी देओल के साथ पहुंचे। इस शो में उन्होंने कई दिलचस्प बातें बताईं। जब सनी से पूछा गया कि इतने बड़े सुपरस्टार के बेटे होने पर क्या उन्हें कभी कोई दबाव महसूस हुआ? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, दरअसल, मैंने कभी ऐसा नहीं सोचा। सनी ने कहा, मैं बस इतना जानता था कि मैं एक अभिनेता बनना चाहता हूं और मैं पहले से ही इस पर काम कर रहा था। मुझे आज भी बहुत अच्छे से याद है कि मेरी पहली फिल्म बेताब का मुहूर्त मेहबूब स्टूडियो में हुआ था। वहां बॉबी भी थे। वे बहुत छोटे थे। पूरी इंडस्ट्री वहां मौजूद थी। स्टेज खचाखच भरा हुआ था। मैंने संवाद पढ़े और उन्हें तुरंत बोल दिया। मैं बिल्कुल भी घबराया हुआ नहीं था। इसके बाद कपिल ने छोटे भाई यानी बॉबी देओल से पूछा कि धर्मेंद्र सुपरस्टार थे, सनी देओल सुपरस्टार थे, जब आपकी बारी आई तो आप तनावग्रस्त थे या आपको निर्देशित करने वाला तनावग्रस्त था इसका जवाब बॉबी ने मजाकिया अंदाज में दिया। उन्होंने कहा, शायद इसीलिए शेखर कपूर भाग गए, लेकिन फिर राजकुमार संतोषी ने फिल्म का निर्देशन किया। उन्होंने आगे कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दबाव में हूं। मेरे पिता मेरे लिए सब कुछ हैं। वह एक लीजेंड हैं। सनी भैया एक सुपरस्टार हैं। आज, मैं इस बात से खुश हूं कि मेरे भाई ने 22 साल के इंतजार के बाद गदर 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी और उसी साल सबसे पहले मेरे पिता की फिल्म रिलीज हुई। उन्होंने जो किरदार निभाया अगर वह कोई और करता तो उतना मजा नहीं आता और फिर मेरी फिल्म रिलीज हुई। यह भी एक बड़ी हिट थी। मुझे खुशी है कि मैंने अपने पिता की आंखों में खुशी देखी। हर बेटे को उम्मीद होती है कि उसके पिता उसकी उपलब्धि के गवाह बनें वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी जल्द ही राजकुमार संतोषी की फिल्म लाहौर, 1947 में नजर आने वाले हैं। फिल्म में प्रीति जिंटा भी मुख्य भूमिका में हैं। इसका निर्माण आमिर खान कर रहे हैं। वहीं, बॉबी पैन इंडिया फिल्म कांगुवा में नजर आएंगे। फिल्म में वे सूर्या के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे।

अनुज थापन की मौत पर उठे सवाल

सीबीआई जांच की मांग को लेकर परिवार पहुंचा हाई कोर्ट

सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी से संबंधित मामले में गिरफ्तारी के बाद पुलिस हिरासत में मारे गये अनुज थापन का परिवार उसकी मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग कर रहा है। इसके लिए उन्होंने बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। पुलिस के दावे के मुताबिक थापन ने लॉक-अप में खुदकुशी की थी। वहीं, उसकी मां रीता देवी ने शुक्रवार को हाई कोर्ट में दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया की उनके बेटे की हत्या हुई है। मौत पर परिवार ने उठाए सवाल याचिका में थापन की मां ने उच्च न्यायालय से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से उनके बेटे की मौत की जांच कराने की अपील की है। दायर की गई याचिका में पुलिस पर आरोप लगाया गया है कि हिरासत में थापन पर शारीरिक हमला और उसे प्रताड़ित किया गया। इसमें उच्च न्यायालय से यह भी मांग की गई कि वह पुलिस को वे सभी सीसीटीवी फुटेज सौंपने का निर्देश दे जहां थापन को रखा गया था।

याचिका में की गई ये अपील

साथ ही, याचिकाकर्ता ने 24 अप्रैल से 2 मई तक इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों के कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) को खंगाले जाने का अनुरोध किया है। वहीं, थापन के शरीर को नए सिरे से पोस्टमार्टम के लिए निर्देश देने की भी अपील गई है। सलमान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुई गोलीबारी के बाद पुलिस ने चार लोगों - थापन, सोनू बिश्नोई, कथित शूटर सागर पाल और विक्की गुप्ता को गिरफ्तार किया था। वहीं, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसका भाई अनमोल बिश्नोई इस मामले में वांछित की सूची में रखा गया है।

पुलिस हिरासत में हुई थी थापन की मौत

गोलीबारी की घटना के लिए हथियार और गोलियों की आपूर्ति करने के आरोपी थापन को 26 अप्रैल को सोनू बिश्नोई के साथ पंजाब से गिरफ्तार किया गया था और 30 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। इस दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के प्रावधान लगा दिए थे। 29 अप्रैल को पुलिस ने थापन सहित सभी चार आरोपियों को एक विशेष अदालत के सामने पेश किया, जिसने उन्हें 8 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। इसके बाद थापन को 1 मई को क्रॉफर्ड मार्केट में कमिश्नरेट परिसर में अपराध शाखा के लॉक-अप के शौचालय में मृत पाया गया था।

कड़ी मेहनत से गुलशन ने हासिल किया खास मुकाम जूस की दुकान चलाने वाले कैसे बने कैसेट किंग

भारतीय संगीत की दुनिया में गुलशन कुमार का बहुत खास मुकाम है। उनका जन्म 5 मई 1951 में दिल्ली के एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उनका नाम उन हस्तियों में शामिल है, जिन्होंने कड़ी मेहनत के दम पर म्यूजिक इंडस्ट्री में फर्श से अर्श तक का सफर तय किया। आइए उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनसे जुड़ीं खास बातें...

पिता के साथ चलाते थे जूस की दुकान गुलशन कुमार की रुचि बचपन से ही व्यवसाय में थी। उनके पिता की जूस की दुकान थी, जिसमें वे उनका हाथ बंटाया करते थे। यहीं से उनके संघर्ष की शुरुआत हुई और धीरे-धीरे वे म्यूजिक इंडस्ट्री की ओर बढ़ते चले गए। इस जूस की दुकान के बाद उनके पिता ने एक दूसरी दुकान ली, जिसमें सस्ती कैसेट में गाने रिकॉर्ड करके बेचे जाते थे। यहीं से गुलशन की किस्मत का सितारा चमक उठा।

ऐसे बने कैसेट किंग उन्होंने आगे चलकर सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी खोली जो खूब मशहूर हुई। देखते ही देखते यह भारत की सबसे मशहूर कंपनी बन गई और गुलशन कुमार को कैसेट किंग कहा जाने लगा। इसी के तहत उन्होंने टी-सीरीज की शुरुआत की, जिसने कई सिंगरों को गाने

का मौका दिया। महज 10 वर्षों में उनके नेतृत्व में कंपनी का बिजनेस 350 मिलियन यानी साढ़े तीन करोड़ तक पहुंच गया।

कई गायकों को दिया मौका अनुराधा पौडवाल, सोनू निगम और कुमार सानू के करियर में गुलशन का खास योगदान रहा है। अपनी कंपनी के तहत उन्होंने इस सभी को गाने का मौका दिया। 80 से 90 के दशक के बीच गुलशन ने अपने मेहनत से खूब शोहरत हासिल की, लेकिन यह बात कुछ लोगों को पसंद नहीं आई। 12 अगस्त, 1997 को मुंबई के अंधेरी पश्चिम उपनगर जीत नगर में जीतेश्वर महादेव मंदिर के बाहर उनकी हत्या कर दी गई। उस समय उनकी उम्र महज 46 साल थी। गोली इस हत्या के बाद पूरी फिल्म इंडस्ट्री में सनसनी फैल गई थी। कहा जाता है कि अंडरवर्ल्ड ने उनसे फिरौती मांगी थी, जिसे देने से उन्होंने इनकार कर दिया था।

मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में एमसीएमसी से पूर्व प्रमाणित राजनैतिक विज्ञापन ही हो सकेंगे प्रकाशित

झाबुआ – मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश के 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में चार चरणों में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है?। पहले व दूसरे चरण के छह-छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न हो चुका है। तीसरे चरण में 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 7 मई को और चौथे चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 13 मई को मतदान होगा। श्री राजन ने बताया कि अगले दोनों चरणों के मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित विज्ञापन ही प्रिंट मीडिया में प्रकाशित हो सकेंगे। श्री राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के लिये विशेष व्यवस्था दी गई है। आयोग के नियमानुसार प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए राजनैतिक दल/आवेदकों को मतदान के दिन और मतदान से पूर्व दिवस पर विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले जिला/राज्यस्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर पूर्व प्रमाणन कराना होगा। पूर्व प्रमाणन के पश्चात ही समाचार पत्रों में ऐसे प्रचार विज्ञापन प्रकाशित किये जा सकेंगे। श्री राजन ने बताया कि तीसरे चरण के 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों मुरैना, भिंड (अजा), ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़ एवं बैतूल (अजजा) में 6 मई एवं मतदान तिथि 7 मई को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। इसी प्रकार चौथे चरण के 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों देवास (अजा), उज्जैन (अजा), मंदसौर, रतलाम (अजजा), धार (अजजा), इंदौर, खरगौन (अजजा) एवं खंडवा में 12 मई एवं मतदान तिथि 13 मई को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा।

अंतिम मतदाता तक पहुँचने के लिए जिले में फलिये स्तर पर दलों का गठन किया जाएगा - कलेक्टर डॉ बेडेकर

अलीराजपुर । लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक चौधरी , द्वय सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री तपीस पांडे एवं श्री विरेन्द्र सिंह बघेल उपस्थित थे साथ ही इस दौरान 149 ऐसे मतदान केन्द्र जिन पर विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान प्रतिशत 50 प्रतिशत या कम था के बीएलओ एवं सभी सेक्टर अधिकारी उपस्थित थें। इस बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ बेडेकर ने उपस्थित समस्त बीएलओं को निर्देश देते हुए कहा कि जिला प्रशासन के द्वारा कोई मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहें के लिए , प्रयास कर रहा है। आगामी 13 मई 2024 सोमवार को लोकसभा निर्वाचन के लिए

मतदान किया जाएगा जिले का मतदान प्रतिशत पिछले विधानसभा के दौरान काफी कम था जिससे बढाने के सारे प्रयास जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे इसके साथ ही जमीनी स्तर पर बीएलओं , आंगनवाड़ी कार्यकर्ता , सहायक सचिव आदि मैदानी अमले के प्रयास करने से ही जिले का मतदान प्रतिशत बढ सकता है। कलेक्टर डॉ बेडेकर ने समस्त बीएलओं को निर्देशित किया कि अंतिम मतदाता तक पहुँचने के लिए जिले में फलिये स्तर पर दलों का गठन किया जाए। जो अपने अपने निर्धारित फलिये में जाकर पीले चावल देकर मतदाताओं को मतदान करने के लिए आमंत्रित करें। इसके साथ ही वोटर इंफॉर्मेशन स्लिप के साथ साथ 12 निर्धारित पहचान पत्रों आधार कार्ड , वोटर आईडी , ड्राइविंग लाइसेंस , बैक पास बुक , मनरेगा जोब कार्ड आदि में से एक लेकर आने की जानकारी देवे ।कलेक्टर डॉ बेडेकर ने बताया कि बीएलओं द्वारा राजस्व ,पंचायत , महिला एवं बाल विकास , स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारी जैसे पटवारी , कोटवार , पंचायत सचिव , ग्राम रोजगार सहायक , आशा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका आदि को फलियवार नियुक्त कर मतदान के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी जाए। उन्होने कहा कि समस्त सेक्टर अधिकारी 6 मई 2024 सोमवार तक फलिये वार नियुक्त किए गए अधिकारी एवं कर्मचारियों की सूची जिला प्रशासन को सौंपे एवं समस्त संबंधित कर्मचारी 7 मई 2024 से 10 मई 2024 तक प्रत्येक ग्राम प्रत्येक फलिया एवं प्रत्येक घर एवं प्रत्येक मतदाता तक मतदान करने की अपील करें और उन्हें अवगत कराए की 13 मई 2024 सोमवार को मताधिकार का उपयोग करें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी ने बताया कि जिले में पलायन पर गए मतदाताओं को वोट डालने के लिए भी प्रशासन प्रयास कर रहा है साथ ही स्वीप गतिविधि के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढाने के प्रयास किए जा रहें है। इसी के साथ फलियेवार दल भी बनाए जा रहे जो मतदान दिवस के दिन प्रत्येक मतदाता से संपर्क कर मतदान कराने का प्रयास करेगे।

बाल विवाह पर राजस्थान उच्च न्यायालय का न्यायिक हथौड़ा

अक्षय तृतीया के दौरान बाल विवाहों पर सख्ती से रोक के आदेश

बाल विवाहों की रोकथाम में नाकामी पर पंच व सरपंच होंगे जवाबदेह

मामले की गंभीरता और तात्कालिकता का संज्ञान लेते हुए राजस्थान उच्च न्यायलय ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस की जनहित याचिका पर फौरी सुनवाई करते हुए जारी किया आदेश-प्रदेश में बाल विवाह की मौजूदा स्थिति को 'चिंताजनक' बताते हुए राजस्थान हाई कोर्ट ने फौरी आदेश जारी कर राज्य सरकार से कहा है, कि वह अक्षय तृतीया के मद्देनजर यह सुनिश्चित करे कि कहीं भी बाल विवाह नहीं होने पाए। साथ ही आदेश में कहा गया है कि बाल विवाह को रोकने में विफलता पर पंचों-सरपंचों को जवाबदेह ठहराया जाएगा । राजस्थान उच्च न्यायलय का यह फौरी आदेश जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस और अन्य की जनहित याचिका पर आया है। इन संगठनों ने अपनी याचिका में इस वर्ष 10 मई को अक्षय तृतीया के मौके पर बड़े पैमाने पर होने वाले बाल विवाहों को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी । जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के सहयोगी संगठन नवाचार संस्थान पहले से ही भीलवाडा और चित्तोगढ़ जिले में बाल विवाह के खिलाफ मजबूती से अभियान चलाते हुए यह सुनिश्चित करने में लगा है, कि अक्षय तृतीया के दौरान जिले में कोई बाल विवाह नहीं होने पाए। राजस्थान उच्च न्यायलय के इस फैसले से इन प्रयासों को और बल मिलेगा ।याचियों द्वारा बंद लिफाफे में सौंपी गई, अक्षय तृतीया के दिन होने वाले 54 बाल विवाहों की सूची पर गौर करने के बाद न्यायमूर्ति शुभा मेहता और पंकज भंडारी की खंडपीठ ने राज्य सरकार को इन विवाहों पर रोक लगाने के लिए 'बेहद कड़ी नजर' रखने को कहा है । यद्यपि इस सूची में शामिल नामों में कुछ विवाह पहले ही संपन्न हो चुके हैं, लेकिन 46 विवाह अभी होने बाकी हैं। खंडपीठ ने कहा, सभी बाल विवाह निषेध अफसरों से इस बात की रिपोर्ट मंगाई जानी चाहिए कि उनके अधिकार क्षेत्र में कितने बाल विवाह हुए और इनकी रोकथाम

के लिए क्या प्रयास किए गए। आदेश में यह भी कहा गया कि राज्य सरकार सुनिश्चित करे कि सूची में शामिल जिन 46 बच्चों के विवाह होने हैं, वे नहीं होने पाएं। खंडपीठ ने यद्यपि इस बात का संज्ञान लिया कि राज्य सरकार के प्रयासों से बाल विवाहों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है, फिर भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (2019-21) के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 20-24 आयु वर्ग की 25.4 प्रतिशत लड़कियों का विवाह उनके 18 साल की होने से पहले ही हो गया था 7 जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 23.3 प्रतिशत है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, बाल विवाह वह घृणित अपराध है जो सर्वत्र व्याप्त है और जिसकी हमारे समाज में स्वीकार्यता है। बाल विवाह के मामलों की जानकारी देने के लिए पंचों व सरपंचों की जवाबदेही तय करने का राजस्थान हाई कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम पूरी दुनिया के लिए एक सबक हैं, और राजस्थान उच्च न्यायलय का यह फैसला इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस पांच गैर सरकारी संगठनों का एक गठबंधन है, जिसके साथ देश के 120 से भी ज्यादा गैर सरकारी संगठन सहयोगी के तौर पर जुड़े हुए हैं, जो पूरे देश में बाल विवाह, बाल यौन शोषण और बाल दुर्व्यापार जैसे बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं। नवाचार संस्थान के सचिव एवं नेशनल यूथ अवार्डी अरुण कुमावत ने कहा, बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई बहुआयामी है, और समाज के सभी स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता है। यह ऐतिहासिक फैसला हमारी इस जंग में एक अहम मील का पत्थर है । पंचों व सरपंचों को जवाबदेह ठहराने से बाल विवाह के कई रास्ते बंद हो जाएंगे, जिससे राजस्थान में बाल विवाह की रोकथाम के हमारे प्रयासों को बल एवं सहायता मिलेगी। माननीय राजस्थान उच्च न्यायलय का यह आदेश ऐसे समय आया है, जब अक्षय तृतीया के मौके पर बाल विवाह के मामलों में खासी बढ़ोतरी देखने को मिलती है और जिसे रोकने के लिए सरकार के साथ जमीनी स्तर पर काम कर रहे तमाम गैर सरकारी संगठन हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

ब्राम्हणी नदी में मिली मानव की खोपड़ियां... तंत्र मंत्र का अंदेशा...पुलिस जांच में जुटी...

सिंगोलीपुलिस टीम पहुँची मौके पर सिंगोली ।03 मई शुक्रवार की देर शाम को सिंगोली- नीमच रोड़ स्थित ब्राह्मणी नदी में तीन इन्सानी खोपड़ियाँ मिलने से सनसनी फैल गई ।इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई ।सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी ।पुलिस के अनुसार ये खोपड़ियाँ काफी पुरानी लग रही है ।फिलहाल पुलिस यह जानने में लग गई है कि यह खोपड़ियाँ नदी पर कैसे पहुंची ?प्राप्त जानकारी के अनुसार नीमच सिंगोली रोड़ पर ब्राह्मणी नदी में काल भैरव के स्थान से कुछ दूरी पर नदी किनारे तीन इंसानी खोपड़ियाँ व कपड़े

मिले,सूचना मिलते ही उस जगह पर लोगों की भीड़ जुट गई ।इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई ।पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये खोपड़ियाँ इस जगह तक कैसे पहुंची ? माना जा रहा है कि यह मामला काले जादू से भी जुड़ा हुआ हो सकता है ।इलाके के लोगों में इस घटना के बाद सनसनी फैल गई है।

ब्राह्मण दल मातृ शक्ति द्वारा भगवान परशुराम जन्म उत्सव सप्ताह के अंतर्गत 1100 से अधिक महिलाओं का सुहागिनों पूजन कार्यक्रम संपन्न

विदिशा

ब्राह्मण दल मातृ शक्ति द्वारा श्री शीतला शक्ति धाम में भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव सप्ताह के अंतर्गत विशाल सुहागिल कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ मां पीतांबरा की आराधना एवं कन्या पूजन कर किया गया, इस महा आयोजन में ब्राह्मण दल मातृ शक्ति द्वारा पूजा अर्चना की गई तथा सुहागिन स्त्रियों को सौभाग्य सामग्री वितरित की गई ब्राह्मण दल के सदस्यों द्वारा बताया गया कि ब्राह्मण दल की अध्यक्षा मां पीतांबरा है तथा नगर की कुल देवी मां शीतला की प्रसन्नता के लिए समस्त सौभाग्यशाली माता बहनों के सम्मान के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है, ब्राह्मण दल महिला सशक्तिकरण के लिए सतत प्रयासरत है, साथ ही मां शीतला को प्राकट्य उत्सव का आमंत्रण दिया गया, इसके बाद ब्राह्मण समाज की 1100 से अधिक माता बहनों को सुहाग सामग्री तथा मिष्ठान वितरित की गई ब्राह्मण दल द्वारा परशुराम जयंती इस वर्ष साप्ताहिक उत्सव के रूप में मनाई जा रही है इसी क्रम में पूर्व में मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया जा चुका है तथा आगामी कार्यक्रमों में दिनांक 9 मई 2024 को विशाल वाहन रैली तथा 10 मई 2024 को विशाल चल समारोह आयोजित किया गया है । इस आयोजन में विगत वर्ष अनुसार इस वर्ष भी मां पीतांबरा का भव्य रथ नगर में भ्रमण करेगा जिसकी बागडोर ब्राह्मण दल मातृ शक्ति के हाथों में रहेगी सबसे आगे मातृ शक्ति मां पीतांबरा के रथ को लेकर चलेंगी उसके बाद नगर के समस्त कर्मकांडी पंडितजन इनके बाद नगर के समस्त ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ जन एवं युवा रहेंगे ब्राह्मण दल द्वारा भगवान परशुराम प्रकट उत्सव प्रतिवर्ष वर्चस्व दिवस के रूप में मनाया जाता है।

निमाड़ महासंघ द्वारा नर्मदा नदी पर जल परिवहन शुरू करने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र - संजय रोकड़े

निमाड़ महासंघ सर्वधर्म, जाति,संप्रदाय से सरोकार रखने वाला निमाड़ क्षेत्र का एकमात्र गैर राजनीतिक संगठन है जो निमाड़ के सर्वांगीण विकास व बेहतरी के लिए कई वर्षो से सतत प्रयासरत है। इस बार निमाड़ महासंघ प्रमुख श्री संजय रोकड़े ने प्रधानमंत्री भारत सरकार से पत्र लिख कर मांग की है कि निमाड़ के किसानों को फसल का उचित दाम दिलवाने ,उनकी फसलों को देश विदेश में निर्यात करने की सुविधा के साथ ही निमाड़ से पलायन रोकने ,युवाओं के लिए रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए केवडिया गुजरात से निमाड़ खलघाट मध्य प्रदेश तक जल परिवहन के माध्यम से मालवाहक फ्रेटर की शुरुआत करने पत्र लिखा है ।निमाड़ महासंघ संयोजक कृष्णकांत रोकड़े ने बताया कि महासंघ प्रमुख संजय रोकड़े ने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री को अवगत करवाया है कि भौगोलिक रूप से निमाड़ क्षेत्र सतपुड़ा पर्वत से लगाकर विंध्याचल पर्वत के बीच स्थित है। इन दो पवर्तों के मध्य खरगोन,बड़वानी,खंडवा,बुरहानपुर जिले के साथ ही धार जिले का हिस्सा जैसे धामनोद,धरमपुरी, मनावर, कुक्षी व उमरबन शामिल है। यह अंचल निमाड़ कहलाता है। काबिलेगौर हो कि इन्हीं दो पर्वत श्रृंखलाओं के बीच जीवनदायिनी,पतीत पावनी,पुण्य सलिला,पवित्र मां नर्मदा भी बहती है। नर्मदा नदी निमाड़ क्षेत्र के साथ ही गुजरात और अब मालवा की भी प्राण रक्षक ,जीवनधारा बन चुकी है। निमाड़ अंचल श्रमिक बाहुल्य और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का क्षेत्र है । उन्होंने याद दिलवाया कि हाल ही में मां नर्मदा की गोद में पर्यटन विभाग द्वारा केवडिया स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्टैचू ऑफ यूनिटी (जो कि आप ही के कार्यकाल के दौरान देश का मान बढ़ाने के लिए स्थापित की गई है) से चंदनखेड़ी कुक्षी जिला धार मध्यप्रदेश करीब 120 किलोमीटर का जल मार्ग चिन्हित किया गया है। इसके लिए कुल चार जेट्टी बोट दो मध्यप्रदेश और दो गुजरात को दी जा चुकी है। ये पानी के छोटे जहाज चंदनखेड़ी कुक्षी जिला धार मध्यप्रदेश तक चलाए जाने है। इस योजना को करीब- करीब मूर्त रूप भी दिया जा चुका है ।एमपी और गुजरात में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्टैचू ऑफ यूनिटी से बारह ज्योर्तिलिंगों में से एक ओंकारेश्वर,(ममलेश्वर) तक पर्यटकों , दर्शनार्थियों को सुविधा देने के लिए सरकार ने निर्णय लिया है। पर्यटकों को आदि गुरु शंकराचार्य के नवनिर्मित आध्यात्मिक धाम ओंकारेश्वर और विश्व प्रसिद्ध देवी अहिल्याबाई होल्कर की राजधानी महेश्वर के साथ ही मांडू का तीर्थाटन भी करवाने के लिए निर्णय लिया गया है ।निमाड़ महासंघ प्रमुख श्री संजय रोकड़े ने मांग की है कि आपकी आगामी खरगोन यात्रा 2024 के पहले उक्त जेट्टी बोट को कुक्षी से आगे बढ़ाकर खलघाट तक चलवाने की घोषणा की जाएं ।पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए इन जेट्टी बोट को न केवल कुक्षी से आगे खलघाट तक चलवाई जाए बल्कि निमाड़ के पिछड़ेपन और किसानों के हित को ध्यान में रख कर जल परिवहन के माध्यम से गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच में भारवाहक,(माल वाहक) जहाज (फ्रेटर) भी चलवाएं जाने चाहिए। श्री संजय रोकड़े ने दोहराया कि सर्व विदित है कि जल परिवहन यातायात का एक बहुत ही सस्ता और सुगम,सहज माध्यम है। जल परिवहन के माध्यम से भारी वस्तुओं और सामानों को भी कम कीमत पर लंबी दूरी तक लाना ले जाना संभव होता है ।यह परिवहन अंतरराज्यीय व्यापार को बढ़ावा देने और देश के अन्य भूभागो के साथ ही विदेशों में भी उत्पादों का निर्यात - आयात करने का एक आसान और सस्ता माध्यम है। ये भी सच है कि जल परिवहन दूसरे परिवहनों की अपेक्षा कम खर्चीला और पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाने वाला होता है। इससे सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी होगी जिससे कम जनहानि का खतरा होगा। उन्होंने आग्रह किया है कि कुक्षी के स्थान पर खलघाट तक जेट्टी बोट को चलाया जाए और इसी मार्ग पर भारी माल वाहक जहाज (फ्रेटर)भी चलवाएं जाएं ताकि निमाड़ अंचल में बहने वाली नर्मदा नदी के दोनों किनारों पर बसे आर्थिक बदहाल ग्रामीणजनों को एक ओर जहां जीवन यापन के लिए रोजगार के अवसर मुहैया हो सकेंगे वहीं किसानों को अपनी फसल अन्य राज्यो में भी ले जाना संभव हो सकेगा तथा आपसी राज्यों के मध्य सांस्कृतिक आदान प्रदान भी सहज करने में सहायक सिद्ध होगा। वैसे भी निमाड़ और गुजरात के बीच कृषि उत्पादों का परिवहन बड़ी मात्रा में होता है ।

मां बाला सुंदरी देवी मेले में आयोजित एक शाम देहाती रागिनी आपके नाम कार्यक्रम में महिला कलाकारों ने रागनी सुनाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया

कार्यक्रम का उद्घाटन पिंटू भगत ने फीता काटकर एवं लक्की वर्मा ने नारियल तोड़कर किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर । देवबंद, श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेला पंडाल में धार्मिक एवं देश भक्ति से परिपूर्ण एक शाम देहाती रागिनी आपके नाम कार्यक्रम का उद्घाटन पिंटू भगत जी बालाजी ने फीता काटकर एवं वरिष्ठ समाजसेवी लक्की वर्मा ने नारियल तोड़कर किया। संदीप त्यागी लाला ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित किया एवं राकेश मित्तल ने मां के चित्र पर माला अर्पण की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय कुमार एवं संचालन चौधरी ओमपाल सिंह अध्यक्ष सहकारी समिति ने किया। महिला कलाकार नेहा वर्मा और उर्मिला चौधरी ने रागनी सुनाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। खचाखच भरे पंडाल में दर्शकों की मांग पर कंपटीशन कार्यक्रम प्रातः सवा चार बजे तक चला। विजेंद्र विकल व साथी कलाकारों ने राजा मोरध्वज, हीर रांझा, राजा हरिश्चंद्र, दानवीर कर्ण आदि ऐतिहासिक किस्सो पर शानदार प्रस्तुति देते हुए सभी दर्शकों को झूमने एवं ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। सभी कलाकारों एवं अतिथियों का फूल माला, पटका एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता, अजय गांधी सभासद, सुलेख गर्ग, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ बीपी सिंह, संजीव गंगा वस्त्र भंडार, रेखा महिला मोर्चा अध्यक्ष, अग्रसेन वर्मा, सुभाष त्यागी, डॉ कल्याण सिंह, शिव कुमार कश्यप, जमाल नासिर, जनेश्वर आर्य,

सुशील जाटव, मा. हनीफ, सचिन वर्मा, अजीत, पप्पू, जितेंद्र, चौ नरेश प्रधान, जोगिन्दर जाटव, सुरेन्द्र धीमान, डॉ अरविंद जौहरी, हाजी रेहान सहित भारी संख्या में श्रोताओं ने हिस्सा लिया। चौधरी ओमपाल सिंह एवं अंग्रेज पवार ने सभी कलाकार एवं दर्शकों एवं नगर पालिका, पुलिस प्रशासन एवं पत्रकारों का धन्यवाद किया।

आई.टी.आई पास अभ्यर्थियों की काउंसलिंग करते हुए करें मार्गदर्शन

आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों को अप्रेन्टिसशिप में रखे जाने मे दी जाए वरीयता मण्डलायुक्त डॉक्टर हृषिकेश भास्कर यशोद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर, मण्डलायुक्त डॉक्टर हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता उनके कार्यालय सभागार में शिक्षुता प्रशिक्षण योजना की मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक आहूत हुई। बैठक में अवगत कराया कि अप्रेन्टिसशिप पोर्टल पर सहारनपुर मण्डल में जनपद-सहारनपुर में 265, जनपद-मुजफ्फरनगर में 155 एवं जनपद-शामली में 42 कुल-462 अधिष्ठान पंजीकृत है। जिनमें से 113 अधिष्ठान अपने यहाँ अप्रेन्टिसशिप को नियोजित कर रहे है। जिनमें कुल 629 अप्रेन्टिसशिप प्रशिक्षार्थी ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे है। मण्डलायुक्त द्वारा समस्त जिला उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिये गये कि शेष 349 अधिष्ठानों को आगामी15 दिवसों के अन्दर कियाशील किया जाये एवं उनमें सीट कियेट कराते हुए अप्रेन्टिशिप प्रशिक्षार्थियों की ट्रेनिंग प्रारम्भ करायी जाये। उन्होने यह भी निर्देश दिये कि आई0टी0आई0 पास अभ्यर्थियों की उचित काउंसलिंग की जाय एवं गरीब अभ्यर्थियों को अप्रेन्टिसशिप में रखे जाने मे वरीयता दी जाए। बैठक में संयुक्त निदेशक (प्रशि0/शिक्षु0) आशीष दुबे, संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती अंजू रानी, उपायुक्त उद्योग, श्रमायुक्त एवं तीनों जनपदों के नोडल प्रधानाचार्य रा0आई0टी0आई0 उपस्थित रहें।

जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक में यातायात के नियमों के प्रति आमजन को किया जाए जागरूक

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लिए जनपदवासियों को करें प्रोत्साहित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी।डॉ. दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिये कि आमजन को यातायात के नियमों के बारे में बताएं जिससे होने वाली किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। स्कूलों में प्रतिदिन यातायात नियमों के बारे में बच्चों को जागरूक किया जाए। प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों से यातायात के नियमों के प्रति आमजन को जागरूक किया जाए। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिये कि जनपद में दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्रों में ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर संकेतक लगाएं और ब्लैक स्पॉट को दूर करने के कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होने कहा कि यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर विधिक कार्यवाही की जाए। सडकों पर अतिक्रमण की समस्या के समाधान के

लिए त्वरित प्रयास किये जाएं। हाईवे एवं सडक किनारे स्थापित विद्यालयों के बाहर यातायात संबंधी संकेतक लगाने के निर्देश दिए। डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि जनपद के चालकों परिचालकों अन्य सभी जनपदवासियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभ बताते हुए उन्हे योजना से जोडा जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. अर्चना द्विवेदी, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा, सहायक सम्भागीय परवर्तन अधिकारी एम.पी.सिंह, एक्सईन पीडब्ल्यूडी धर्मेन्द्र कुमार एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सहारनपुर के रुपडी गुर्जर में पशु आरोग्य मेले का आयोजन

गर्मी में करें पशुओं की उचित देखभाल, दें संतुलित आहार- अधिष्ठाता डा. राजीव सिंह

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर, सरदार बल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय एवं पशुपालन विभाग द्वारा इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंश लिमिटेड के सौजन्य से वित्तपोषित परियोजना के माध्यम से ग्राम रूपडी गुर्जर में पशु आरोग्य मेले का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा0के0के0 सिंह के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। सरदार बल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डा0 राजीव सिंह ने कहा कि चिलचिलाती गर्मी, तेज धूल भरी आंधी और बढता तापमान पशुओं में बुखार,निर्जलीकरण, शरीर में लवण की कमी का कारण बन सकता है। परियोजना के पथ प्रदर्शक डा0 राजबीर सिंह ने बताया कि पशुओं को गर्मियों कि दोपहर की तेज, गर्म और शुष्क हवाओं (लू) से बचाकर ही दुग्ध उत्पादन सही रखा जा सकता है। मेडिसन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 अमित वर्मा ने कहा कि पशुओं में आवश्यक शारीरिक लवणों की हानि से

बचने के लिए किसान 50 ग्राम नमक का मिश्रण चारे और पानी में मिलाकर अवश्य दे और डेयरी पशुओं को संतुलित आहार दें ताकि उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता बढे। शिविर में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. एम.पी.सिंह गौर, डा.के.के. नागर, डा. सुबोध गोयल, डा.अमित वर्मा,डा.अरविन्द सिंह, डा. अजीत कुमार सिंह, डा.विकास जायसवाल, डा. आशुतोष त्रिपाठी, डा. विष्णु रायतथा श्री अमन पशुधन प्रसार अधिकारी ने 124 पशुओं की जाँच कर निःशुल्क दवाओं का वितरण किया।ग्राम प्रधान श्री इलम सिंह ने शिविर के सफल आयोजन हेतु विशेष सहयोग प्रदान किया।

भाजपा मंडल मल्हारगढ़ के क्लस्टर पांच की कामकाजी बैठक बादरी बालाजी मंदिर परिसर में संपन्न

बादरी भारतीय जनता पार्टी शिर्ष नेतृत्व के आदेशानुसार मंडल मल्हारगढ़ के क्लस्टर 5 (शक्ति केन्द्र मुन्देड़ी + शक्ति केन्द्र रिछा) कि कामकाजी बैठक आज 4 मई 2024 शनिवार को प्रातः 10 बजे बाला जी मंदिर परिसर बादरी में सम्पन्न हुई। जिसमें जलोदिया, मुन्देड़ी 1, मुन्देड़ी 2, बरुजना, छौटी गुड़भैली, हरसोल, बादरी, रिछा, लिम्बावास, चिताखैड़ी और आक्या आदि बुथ समितियां सम्मिलित हुई , बैठक में मानसिंह माछौपुरिया (दादा) पुर्व जिलाध्यक्ष व राजेश दिक्षीत भाजपा जिला महामंत्री का मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ,बैठक का संचालन बाबुलाल डाका अध्यक्ष किसान मोर्चा मंडल मल्हारगढ़ ने किया इस बैठक में कन्हैयालाल पाटीदार शक्ति केंद्र रिछा संयोजक, जितेंद्र जाट (अध्यक्ष) भाजपा मंडल मल्हारगढ़, प्रकाश पोरवाल प्रभारी शक्ति केन्द्र मुन्देड़ी, बाबुलाल डाका संयोजक शक्ति केन्द्र मुन्देड़ी, भेरुलाल दाहना पुर्व मंडी अध्यक्ष , धिरज शर्मा सहसंयोजक शक्ति केन्द्र मुन्देड़ी, राजेश कुमार कारपेन्टर जलोदिया आई टी शक्ति केन्द्र मुन्देड़ी, विनोद पोरवाल रिछा आई टी शक्ति केन्द्र रिछा, श्रवणसिह रिछा, विक्रम सिंह रिछा, यशवंत सिंह रिछा, बाबुलाल शर्मा बादरी, राकेश पाटीदार बरुजना, प्रेमचन्द टेलर मुन्देड़ी, अनिल पाटीदार मुन्देड़ी, नेपाल सिंह मुन्देड़ी, विनोद सेन मुन्देड़ी, झुंझारसिह शक्तावत मुन्देड़ी, गणपत सेन मुन्देड़ी, बाबुलाल धनगर मुन्देड़ी महेन्द्र शर्मा बादरी भरत शर्मा बादरी प्रेमचन्द शर्मा बादरी प्रमोद शर्मा बादरी विमल शर्मा बादरी राहुल शर्मा बादरी देवीसिंह बादरी, बद्रीलाल चौहान छौटी गुड़भैली देवीलाल प्रजापत,बरुजना,भौपाल सिंह बरखैड़ा पाला, राहुल धनगर चिताखैड़ी, भगवतसिंह राजपूत चिताखैड़ी, अजय धनगर चिताखैड़ी, गोवर्धन धनगर चिताखैड़ी, अशोक शर्मा चिताखैड़ी, प्रहलाद कारपेन्टर जलोदिया, मांगीलाल पोरवाल (सरपंच) लिम्बावास, आदि भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी सम्मिलित हुये।

संत शिरोमणी श्री सेन जी महाराज के 724 वॉ जन्मोत्सव के अवसर पर जाट मे होगी भव्य भजन संध्या का आयोजन एवं निकलेगी भव्य शौभायात्रा

संतो के सानिध्य मे होगा विशाल भजन संध्या का आयोजन

जाट प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जाट यशनगर मे दिनांक 05 मई 2024 को श्री सेन समाज द्वारा श्री सेन जी महाराज की 724 वॉ जन्मोत्सव बडे ही धुम धाम से मनाया जावेगा, जिसमे प्रातः हवन पुजा एवं दोपहर 02:15 से भव्य शौभायात्रा का आयोजन होगा, जिसमे संत शिरोमणी श्री सेन जी महाराज का रथ, बेण्डबाजों के साथ ग्राम के प्रमुख मार्गो से होते हुए भगवान श्री राधाकृष्ण एवं श्री सेन जी महाराज के मंदिर पर सांय महाआरती होगी। एवं रात्री 08 बजे से श्री श्री 1008 महंत श्री शिवरामदास जी त्यागी महाराज श्री रामेश्वर महादेव खैरी चित्तोडगढ़ के पावन सानिध्य मे एक शाम संत शिरोमणी श्री सेन जी महाराज के नाम, विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा । जिसमे सर्वप्रथम संत शिरोमणी श्री सेन जी महाराज के पावन दरबार मे ज्योत जलाकर एवं संतो का पुष्प वर्षा से समस्त सेन समाज द्वारा स्वागत किया जाएगा तथा श्री सेन जी महाराज एवं श्री नारायणी माता का दरबार सजाया जावेगा तथा भजन संध्या मे पुष्कर सेन घटियावली सुप्रसिद्ध गायक एवं आॅर्गेनाइजर श्री अंबिका म्यूजिकल गरुप निंबाहेड़ा, सुप्रसिद्ध भजन गायक शंकर लक्खा कोटडी, सुप्रसिद्ध भजन गायिका कृष्णा राठौर मध्य प्रदेश, सुप्रसिद्ध भजन गायक बनवारी सेन डोराई, सुप्रसिद्ध भजन गायक कमलेश सेनलुणखंदा द्वारा भजनों की प्रस्तुती दी जावगी। आयोजित कार्यकृम प्रभारी सुनिल सेन जाट, रमेशचंद्र भाटी मंदिर समिति अध्यक्ष, शंभुलाल सेन स्थानीय व्यवस्था समिति अध्यक्ष एवं भरत कुमार सेन उत्सव समिति अध्यक्ष, भेरूलाल सेन कुतली कोषाध्यक्ष, राकेश सेन जाट सह.कौषाध्यक्ष, कन्हैयालाल सेन पालछा उपाध्यक्ष, जमनालाल सेन अथवा उपाध्यक्ष, राजकुमार सेन जाट सचिव, सुभाष सेन जावदा उपाध्यक्ष, दीनेश सेन पालछा उपाध्यक्ष, नवीन सेन पालेर महामंत्री, शंभुलाल सेन कुतली संयुक्त सचिव, संयुक्त सचिव, रतनलाल सेन कुतली प्रचार मंत्री, इन्द्रमल सेन अमरपुरा प्रवक्ता, शिवलाल सेन पाल महामंत्री, सर्वेश सेन घाटी सुशील सेन तुमडिया, भागीरथ सेन कुतली, एवं समस्त कार्यकारिणी द्वारा सेन समाज के सभी माताओं बहनों एवं जाट क्षैत्र के सभी भक्तजनों को अधिक से अधिक सशंख्या मे पधारकर, कार्यकृम को सफल बनाने का अनुरोध किया गया।एक वर्ष पूर्व इनके द्वारा की गई थी घोषणाए- श्री सेन जी महाराज के जन्मोत्सव आयोजन के दौरान यशनगर जाट मे श्री सेन जी महाराज के जन्मोत्सव के आयोजन के लिये विगत वर्ष ही दिनांक 05.05.2024 को भव्य आयोजन के संबंध मे विभिन्न कार्यकृमो के लिये समाज के भामाशाह द्वारा घोषणाए की गई थी, घोषणाओं मे आमंत्रण पत्र मुद्रण एवं वितरण हेतु-रामनिवास सेन लुणखंदा, जगदीश सेन रठांजना द्वारा शौभायात्रा मे डी.जे. व्यवस्था हेतु-किशनलाल सेन आलोरी द्वारा प्रसाद वितरण हेतु-जमनालाल सेन अथवा, हरिप्रसाद सेन कल्याणपुरा एवं मदनलाल सेन खातीखेडा द्वारा भोजन व्यवस्था हेतु-रामेश्वरलाल सेन, श्यामलाल सेन, शिवलाल सेन, जगदीश सेन, सत्यनारायण सेन पालेर, भेरूलाल सेन, जगदीश सेन अमरपुरा द्वारा एवं श्री सेन जी महाराज का भव्य दरबार हेतु नारायणी सेना संस्था चित्तोडगढ़ के समस्त पदाधिकारियों द्वारा लगाया जावेगा। भजन संध्या के दौरान समस्त कार्यक्रम की व्यवस्था-रामेश्वरलाल सेन देवरियां, सुरेश सेन पप्पुलाल सेन, कन्हैयालाल सेन रमेशचंद्र सेन चामुंडिया एवं नन्दलाल सेन उम्मेदपुरा द्वारा की जावेगी, इसी क्रम मे विशाल भजन संध्या हेतु पुष्कर जी सेन घटीयावली प्रसिद्ध भजन गायक निम्बाहेडा, शंभुलाल जी सेन कुतली (अध्यक्ष सेन समाज मंदिर व्यवस्था समि.जाट), हीरालाल जी सेन तुमडिया, भेरूलाल जी सेन कुतली, राजकुमार जी सेन बांगेडा, जगदीश जी सेन बिजोलिया, गोपाल जी सेन बडावली, पप्पुलाल जी सेन बांगेडा, कमलेश जी सेन लुणखंदा द्वारा घोषणा की गई थी। घोषणा अनुसार सभी भामाशाह का मंदिर समिति द्वारा स्वागत किया जावेगा। एवं अगले वर्ष होने वाले आयोजन की भी घोषणाए कार्यकृम के दौरान प्राप्त की जावेगी।

निजी नलकूप किसानों को मुफ्त बिजली योजना की कड़ी शर्तें कबूल नहीं

कैसे सफल होगी सरकार की यह महत्वकांक्षी योजना

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर, राज्य सरकार ने निजी नलकूप किसानों को मुफ्त बिजली देने की महत्वकांक्षी योजना भले ही लागू कर दी है लेकिन किसानों को इसकी कड़ी शर्तें बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। सूबे में सत्तारूढ़ भाजपा के सहयोगी किसान संगठन भारतीय किसान संघ के प्रदेश संयोजक श्यामवीर त्यागी ने आज घोषणा की कि किसान तब तक अपना पंजीकरण ना कराए जब तक उसके ऊपर थोपी गई कड़ी शर्ते नहीं हटाई जातीं। विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता सुनील कुमार गर्ग ने आज बताया कि पंजीकरण के बिना किसानों को मुफ्त नलकूप बिजली योजना का लाभ बिल्कुल नहीं मिलेगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे लाभ लेने के लिए 30 जून तक बिजली विभाग की वेबसाइट पर अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। उन्होंने यह भी कहा कि 31 मार्च 2023 तक के बकाया का योजनानुसार भुगतान करना भी आवश्यक है। ध्यान रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में वर्ष 2022 में निजी नलकूप धारक किसानों का बिल आधा कर दिया था। यानि साढ़े सात हार्श पावर पर सालाना 15 हजार की जो धनराशि बनती है, किसानों को उसके विपरीत 7260 रूपए जमा करने थे। अब एक अप्रैल 2023 से किसानों को कोई भुगतान नहीं करना होगा। पिछला बकाया

अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। नई योजना के लाभ लेने के लिए नलकूप किसानों को मीटर लगवाना होगा और केवाईसी एवं पंजीकरण अवश्य कराना होगा। सरकार समर्थक बड़े किसान नेता श्यामवीर त्यागी इन शर्तों को लेकर जबरदस्त गुस्से में हैं। बोले किसान किसी भी सूरत में मीटर नहीं लगवाएंगे। किसानो को डर है कि मीटर लगवाने की सूरत में भविष्य में कोई भी सरकार रीडिंग के मुताबिक भुगतान लेगी। जो 20- 22 हजार से कम नहीं होगा। इस तरह की बात उत्तराखंड में सामने आ चुकी है। किसानों को शर्तें मंजूर नहीं है। शायद इसी कारण 57536 में से केवल 1364 नलकूप किसानों ने ही अपना पंजीकरण कराया हैं। मुजफ्फरनगर के 62104 में से 2600, मेरठ के 76293 में से 907, गाजियाबाद के 9093 में से केवल 100, नोएडा 7819 में से मात्र 228 नलकूप किसानों ने ही पंजीकरण कराया है। जो बहुत खराब स्थिति को दर्शाता है। पश्चिमांचल में कुल 5 लाख 5 हजार 538 में से केवल 12205 नलकूप किसान ही पंजीकरण करा पाए हैं। किसान नेता श्यामवीर त्यागी कहते हैं कि विद्युत विभाग को जब फ्री बिजली ही देनी है तो वह इधर-उधर की बात क्यों कर रहा है। उनका कहना है कि यदि सरकार तौर-तरीके नहीं बदलती है तो किसानों के हित में की गई मुफ्त बिजली नलकूप योजना का किसानों को कोई लाभ नहीं मिलेगा और किसानों की नाराजगी बनी रहेगी।

चौथे चरण में 360 उम्मीदवारों के खिलाफ क्रिमिनल केस, चंद्र शेखर 5705 करोड़ के मालिक

नैशनल डैस्क 18वीं लोक सभा चुनाव के चौथे चरण के चुनाव के दौरान आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सबसे ज्यादा उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं। इस चरण के लिए मैदान में उतरे 1717 प्रत्याशियों में से 360 (21 प्रतिशत) प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि 274 (16 प्रतिशत) उम्मीदवार ऐसे हैं जिनके खिलाफ गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं। चुनाव के पहले चरण में 252 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले और 161 उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे जबकि दुसरे चरण के लिए मैदान में उतरे 250 प्रत्याशियों में से 167 प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले थे जबकि 14 प्रतिशत प्रत्याशियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इसी प्रकार तीसरे चरण में 244 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले और 172 उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। एसोसिएशन आफ डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (डी.आर.) द्वारा उम्मीदवारों के हलफनामों के आधार पर यह विश्लेषण किया गया है। चौथे चरण के लिए मैदान में उतरे 476 उम्मीदवार करोड़पति हैं और इस चरण के लिए मैदान में उतरे प्रत्याशियों की औसतन संपत्ति 11.72 करोड़ रुपए है। चौथे चरण के लिए 13 मई को 10 राज्यों की 96 सीटों पर मतदान होना है। इस चुनाव में 17 प्रत्याशी ऐसे हैं जिन्हे किसी न किसी मामले में अदालात में सजा सुनाई जा चुकी है, 11 उम्मीदवारों के खिलाफ हत्या, 30 उम्मीदवारों के खिलाफ हत्या के प्रयास, 50 उम्मीदवारों के खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अपराध करने के मामले और 44 उम्मीदवारों के खिलाफ हेट स्पीच के मामले हैं।

ओवैसी की पार्टी के सारे अम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले अपराधी उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के मामले में क्षेत्रीय पार्टियां राष्ट्रीय पार्टियों के मुकाबले काफी आगे हैं। असदुद्दीन ओवैसी की ए. आई.एम. आई एम द्वारा इस चरण में उतारे गए 3 उम्मीदवारों (100 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले हैं और यह सारे अपराध गंभीर अपराध की श्रेणी में आते हैं। इसी प्रकार शिव सेना के 3 में से 2 (67 प्रतिशत) उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं और यह सभी गंभीर आपराधिक मामले हैं। बी. आर. एस.के. 17 में से 10 उम्मीदवारों (59 प्रतिशत) उम्मीवारों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं।

चंद्र शेखर पेम्मसानी सबसे अमीर उम्मीदवार आंध्र प्रदेश की गुंटूर सीट से तेलगु देशम पार्टी (टी डी पी) की टिकट पर चुनाव लड़ रहे चंद्र शेखर पेम्मसानी चौथे चरण के सबसे उम्मीदवार हैं। उनकी संपत्ति 5705 करोड़ रूपए से ज्यादा है जबकि दुसरे नंबर पर तेलंगाना की चेवेला सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा प्रत्याशी कोंडा विश्वेशर रेड्डी हैं। उनकी सपंति 4568 करोड़ रुपए है तीसरे नंबर पर आंध्रा प्रदेश के नेल्लोर सीट से चुनाव लड़ रहे प्रभाकर रेडी वेमीरेड्डी हैं। उनकी संपत्ति 716 करोड़ रुपए है

नूपुर शर्मा-टी राजा समेत हिंदू नेताओं की हत्या की साजिश रच रहा था मौलाना, सूरत से हुआ गिरफ्तार

नेशनल डेस्क गुजरात के सूरत में एक हिंदू संगठन के नेता की हत्या समेत सुदर्शन टेलीविजन चैनल के मुख्य संपादक, तेलंगाना के भाजपा विधायक राजा सिंह और इसी पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को धमकी देने की कथित तौर पर साजिश रचने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी और कहा कि आरोपी पाकिस्तान और नेपाल में स्थित अपने आकाओं के साथ मिलकर यह साजिश रच रहा था।

पाकिस्तान से मांग रहा था हथियार

सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान मौलवी सोहेल अबुबक्र तिमोल (27) के रूप में की, जो एक धागा फैक्टरी में प्रबंधक के रूप में काम करता था और मुस्लिम बच्चों को इस्लाम पर निजी ट्यूशन देता था। गहलोत ने कहा कि उसे हिंदू सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपदेश राणा की हत्या के लिए पाकिस्तान और नेपाल के लोगों के साथ मिलकर एक करोड़ रुपए की सुपारी देने और पाकिस्तान से हथियार खरीदने की साजिश रचते पाया गया।

उपदेश राणा की हत्या के लिए एक करोड़ रुपए की पेशकश

गहलोत ने बताया, उसे हिरासत में लेने के बाद, हमें उसके मोबाइल फोन में कई आपत्तिजनक सामग्री मिली, जिसमें उपदेश राणा की हत्या के लिए एक करोड़ रुपए की पेशकश भी शामिल थी। इसके लिए वह पाकिस्तान और नेपाल के व्यक्तियों/नंबरों से लगातार संपर्क में था। उन्होंने कहा, तिमोल को इस साल मार्च में राणा को धमकी देने में भी शामिल पाया गया था। आरोपी ने अपने ग्रुप कॉल में पाकिस्तान और नेपाल के नंबरों को जोड़कर लक्ष्य (राणा) को धमकी देने के लिए लाओस के एक डिजिटल नंबर का इस्तेमाल किया।

हिंदू नेता थे निशाने पर

गहलोत ने कहा, उसके फोन नंबर पर मिली तस्वीरें और अन्य विवरण से पता चलता है कि वे (आरोपी और सहयोगी) सुदर्शन टीवी के प्रधान संपादक सुरेश चव्हाणके, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा और हैदराबाद के विधायक राजा सिंह को निशाना बनाने और धमकी देने के बारे में एक सुरक्षित ऐप पर चर्चा कर रहे थे। इस उद्देश्य से वे धन एकत्र करने और हथियार खरीदने की साजिश रच रहे थे। अपराध शाखा की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि डोगर और शहनाज नाम के दो व्यक्तियों ने उससे संपर्क किया था, जिनके पास क्रमश: पाकिस्तान और नेपाल के फोन नंबर थे।

आंतकियों को पालने वाला पाकिस्तान अब खुद बेहाल, 4 माह में खैबर पख्तूनख्वा में हुए 179 आतंकवादी हमले

पेशावर: आंतकियों को पालने वाला पाकिस्तान अब खुद आंतकी हमलों से बेहाल है। पाकिस्तान के काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) ने अपनी रिपोर्ट में बताया इस साल 30 अप्रैल तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में कुल 179 आतंकवादी घटनाएं दर्ज की गई। 2024 में 91 आतंकी भी मारे गए। जनवरी में 60 आतंकवादी घटनाएं हुईं, इसके बाद फरवरी में 38, मार्च में 33 और अप्रैल में 48 घटनाएं हुईं। विशेष रूप से, फरवरी में केपी में सबसे ज्यादा 31 आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा, रिपोर्ट में बताया गया है कि डेरा इस्माइल खान में 19 और उत्तरी वजीरिस्तान में 14 आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसके अतिरिक्त, यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि मारे गए आतंकवादियों में से 16 सर्वाधिक वांछित सूची में थे, जिनमें मोहसिन कादिर, अजमतुल्ला और फरीदुल्ला जैसे व्यक्ति शामिल थे।ऋड्ढ न्यूज के अनुसार, सीटीडी रिपोर्ट में 2 आत्मघाती जैकेट, 36 हथगोले और 247 किलोग्राम विस्फोटक की बरामदगी का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि इस साल पुलिस टीमों पर 10 हमले हुए, जो प्रांत में चुनौतीपूर्ण सुरक्षा स्थिति को उजागर करता है पिछले साल, खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी घटनाओं पर आतंकवाद-रोधी विभाग (सीटीडी) की रिपोर्ट में कहा गया था कि 2023 में 563 आतंकी घटनाएं हुई और इनमें से 243 बार पुलिस को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार डेरा इस्माइल खान में सबसे अधिक 132 आतंकवादी घटनाएं दर्ज की गई, इसके बाद खैबर में 103 घटनाएं और पेशावर में 89 आतंकवादी गतिविधियां दर्ज की गई। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि आतंकियों ने 86 बार उत्तरी वजीरिस्तान और 50 बार दक्षिणी वजीरिस्तान पर हमला किया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 837 आतंकवादियों को हिरासत में लिया गया।

अमेरिका अब नई तकनीक से करेगा दुश्मनों का खात्मा, र एयरफोर्स ने उड़ाया संचालित 16 लड़ाकू विमान

न्यूयार्क: अमेरिका ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक में बड़ी सफलता हासिल करते हुए नए तरीके से दुश्मन के खात्मे तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी वायुसेना ने एक प्रायोगिक एफ-16 लड़ाकू जेट उड़ाया लेकिन इस जेट को मानव पायलट द्वारा नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा नियंत्रित किया गया और विमान में देश की वायुसेना के सचिव फ्रैंक केंडल सवार थे। एआई सैन्य विमानन के क्षेत्र में सबसे बड़ी प्रगति में से एक है। भले ही इसकी प्रौद्योगिकी पूरी तरह से विकसित नहीं हुई है, लेकिन अमेरिकी वायुसेना ने साल 2028 तक एआई संचालित 1,000 से अधिक मानवरहित युद्धक विमानों को संचालित करने का लक्ष्य रखा है। प्रायोगिक एफ-16 लड़ाकू जेट ने एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस से उड़ान भरी थी। केंडल ने भविष्य के हवाई युद्ध में एआई संचालित युद्धक विमानों की भूमिका का पता लगाने के लिए विमान में उड़ान भरी। केंडल ने उड़ान के बाद कहा, इसे सेवा में न रखना एक सुरक्षा जोखिम है, इसलिए ये हमें जरूर चाहिए।

आर्मी चीफ मुनीर के बयान पर भड़के पाकिस्तानी

बोले- कश्मीर छोड़ो बलूचिस्तान भी हाथ से न निकल जाए

इस्लामाबाद- पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद पाकिस्तानियों ने उनके खिलाफ भड़ास निकाली है । मुनीर ने भारत अपना कट्टर प्रतिद्वंद्वी बताते हुए कश्मीर को राजनयिक समर्थन जारी रखने का वादा किया है। खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान वायु सेना अकादमी की परेड में मुनीर ने कश्मीर पर इस्लामाबाद को घटते हुए अंतरराष्ट्रीय समर्थन पर निराशा जाहिर करते हुए कहा था कि कश्मीर पर दुनिया की चुप्पी काफी अजीब और परेशान करने वाली है। इस मुद्दे पर पाक के लोग क्या सोचते हैं, ये जानने के लिए पाकिस्तानी यूट्यूबर सना अजमद ने लोगों से बातचीत की है। पाकिस्तान के लोगों ने इस पर कई मजेदार जवाब दिए हैं। यूट्यूबर सना ने लोगों से पूछा कि कश्मीर पर दुनिया की सपोर्ट पाकिस्तान के लिए कम क्यों हो रही है, जिस पर आर्मी चीफ भी फिक्रमंद हैं। इस पर बाबर नाम के स्टूडेंट ने कहा, पाकिस्तान को ये तय करना होगा कि वो कहां खड़ा है। आर्थिक तौर पर जिस तरह से हम कमजोर हो रहे हैं, उसका असर हर पहलू पर पड़ रहा है। जब कोई देश माली तौर पर कमजोर पड़ता है तो दूसरे देश उससे कन्नी काटने लगते हैं। उनको लगता है कि इनसे कुछ मिल नहीं पाएगा। भारत बीते दो से तीन दशक में एक बहुत बड़ा बाजार बन गया है। ऐसे में कोई उनको नाखुश नहीं करना चाहता और कश्मीर पर सब चुप हैं। मुदस्सिर ने सना से कहा कि ईरान के राष्ट्रपति हाल ही में पाकिस्तान आए तो पाक पीएम सऊदी अरब गए। दोनों ही नेताओं से पाकिस्तान कश्मीर पर ऐसा बयान नहीं ले सका, जैसा वो चाहता था। आखिर दुनिया भी थक गई है कि हर बार वही बात करने के लिए उनसे कहा जाता है। दुनिया को लगने लगा है कि ये दो देशों का मामला है और भारत-पाकिस्तान को ही इस पर बात करते हुए हल करना चाहिए। एक अन्य शख्स शाहिद ने कहा, कश्मीर पर इसलिए पाकिस्तान की आवाज कमजोर हो रही है क्योंकि पाक की विदेश नीति की बैंड बजी पड़ी है। विदेश नीति पर कुछ भी तय नहीं है। ऐसे में आप कश्मीर की बात छोड़िए, मुझे तो डर है कि बलूचिस्तान ही हाथ से ना निकल जाए।

इमरान खान को जेल में सता रहा डर, कहा- पाक सेना अब बस मेरी हत्या की फिराक में

इस्लामाबाद- पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश की खराब स्थिति पर दुख जताते हुए कहा है कि शक्तिशाली सैन्य नेतृत्व अब केवल उनकी हत्या करने की फिराक में है। खान ने कहा कि देश की स्थिति इतनी भयावह है कि उनके जैसा नेता जेल में बंद हैं। उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत जेल में रखा गया है। ब्रिटेन के डेली टेलीग्राफअखबार के लिए रावलपिंडी की अदियाला जेल से लिखे गए एक स्तंभ में क्रिकेटर से नेता बने 71-वर्षीय खान ने अपने पिछले दावे को दोहराया कि अगर उन्हें या उनकी पत्नी को कुछ भी हुआ तो इसके लिए सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर जिम्मेदार होंगे।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान ने कहा कि नकदी संकट से जूझ रहा देश खतरनाक चौराहे पर है और सरकार हंसी का पात्र बन गई है। उन्होंने लिखा है, ''सैन्य प्रतिष्ठान ने मेरे खिलाफ वह सब कुछ किया जो वे कर सकते थे। अब उनके लिए बस मेरी हत्या करना बाकी है। उन्होंने कॉलम में लिखा है, ''मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि अगर मुझे या मेरी पत्नी (बुशरा बीबी) को कुछ भी होता है, तो जनरल असीम मुनीर जिम्मेदार होंगे, लेकिन मैं डरता नहीं हूं, क्योंकि मेरा विश्वास मजबूत है। मैं गुलामी के बजाय मौत को प्राथमिकता दूंगा।

पाकिस्तान के अस्तित्व के 75 से अधिक वर्षों की आधी से अधिक अवधि तक देश पर शासन करने वाली शक्तिशाली सेना ने सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में व्यापक शक्ति का इस्तेमाल किया है। हालांकि, सेना ने देश की राजनीति में हस्तक्षेप से इनकार किया है। खान ने चेतावनी दी कि देश उसी रास्ते पर चल रहा है, जिस पर वह 1971 में चला था, जब उसने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) खो दिया था। खान ने कहा कि सैन्य उद्देश्यों के लिए अमेरिका को हवाई क्षेत्र और संबंधित सुविधाओं तक पहुंच के प्रावधान के बदले सैन्य प्रतिष्ठान की अमेरिका से निर्विवाद समर्थन की उम्मीद मानवाधिकार के मसले पर अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद से धूमिल हो गयी है।

निज्जर हत्या मामले में आईएचआईटी प्रभारी का दावा- 3 संदिग्धों की गिरफ्तारी सिर्फ ट्रेलर, पिक्चर अभी बाकी...

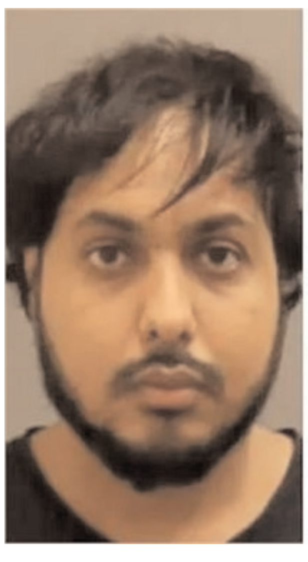

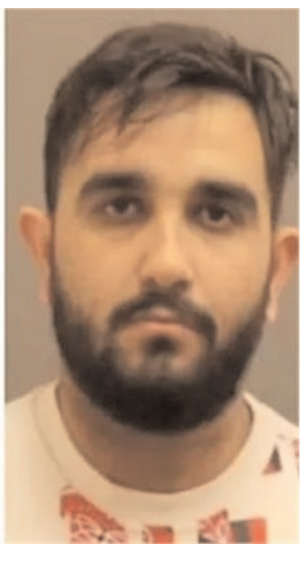

ओटावा/न्यूयॉर्क: कनाडा में खालिस्तान अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार करने वाले कनाडाई प्राधिकारियों ने कहा कि उनकी जांच अभी समाप्त नहीं हुई है और इस हत्याकांड में ''अन्य लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई है। इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम के प्रभारी अधीक्षक मनदीप मूकर ने कहा ये तो सिर्फ ट्रेलर है असली पिक्चर तो अभी बाकी है। एडमॉन्टन में रहने वाले 22 वर्षीय करण बराड़, 22 वर्षीय कमलप्रीत सिंह और 28 वर्षीय करणप्रीत सिंह पर हत्या व हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। मामले की जांच कर रहे अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार किए गए लोग उस कथित समूह के सदस्य हैं जिन्हें पिछले साल भारत सरकार ने निज्जर की हत्या करने का काम सौंपा था। निज्जर (45) की 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गयी थी। निज्जर एक कनाडाई नागरिक था। आईएचआईटी प्रभारी अधीक्षक मनदीप मूकर ने कहा, जांच यहीं समाप्त नहीं होती। हम जानते हैं कि इस हत्याकांड में कुछ और लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई है और हम एक-एक की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करेंगे। 'ब्रिटिश कोलंबिया और 'अल्बर्टा रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) और 'एडमॉन्टन पुलिस सेवा के सदस्यों की सहायता से आईएचआईटी जांचकर्ताओं ने शुक्रवार सुबह निज्जर की हत्या के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस% के सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने बताया कि वे न तो पुलिस द्वारा एकत्र किए गए सबूतों के बारे में कोई टिप्पणी कर सकते हैं और न ही निज्जर की हत्या के पीछे मकसद के बारे में बता सकते हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, मामले ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है और मैं कहूंगा कि जांच अभी जारी है। मैं इस बात को दोहराता हूं कि आज की घोषणा का मतलब यह नहीं है कि जांच पूरी हो गयी है। अधिकारी ने कहा, इस मामले में अलग-अलग सिरों से जांच की जा रही है और मामले की जांच आज गिरफ्तार किये गये लोगों की संलिप्तता तक ही सीमित नहीं है। इन प्रयासों में भारत सरकार के संबंधों की जांच भी शामिल है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले साल सितंबर में भारतीय एजेंटों पर निज्जर की हत्या में ''संभावित रूप से शामिल होने का आरोप लगाया था जिसके बाद भारत और कनाडा के संबंधों में तनाव आ गया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को खारिज कर दिया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569